http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 35

प्रयागराज रविवार 20 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

रणनीतिक फायदे के लिए नवीनतम प्राद्योगिकी का लाभ उठाये सेना : राजनाथ

● श्री सिंह ने आज यहां 62वें राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) पाठ्यक्रम (2022 बैच) के एमफिल दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सैन्य नेतृत्व से जटिल समस्याओं का गंभीरता से समाधान सोचने, अप्रत्याशित परिस्थितियों के अनुरूप ढलने और निरंतर बदल रहे भू–राजनीतिक परिदृश्य में रणनीतिक फायदे के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने का शनिवार को आह्वान किया। श्री सिंह ने आज यहां 62वें राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) पाठ्यक्रम (2022 बैच) के एमफिल दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए अधिकारियों से रणनीतिक विचारक बनने का आग्रह किया जो सोच समझकर भविष्य के संघर्षों का अनुमान लगाने, वैश्विक राजनीतिक गतिशीलता को समझने और नेतृत्व करने में सक्षम हों। रक्षा मंत्री ने कहा,"युद्ध, आज, पारंपरिक युद्धक्षेत्रों से आगे निकल गया है और अब एक बहु–डोमेन वातावरण में संचालित होता है जहां साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध पारंपरिक संचालन के समान ही महत्वपूर्ण हैं। साइबर हमले, दुष्प्रचार अभियान और आर्थिक युद्ध ऐसे उपकरण बन गए हैं जो एक भी गोली चलाए बिना पूरे देश को अस्थिर कर सकते हैं।" उन्होंने कहा कि सैन्य नेतृत्व में जटिल समस्याओं का विश्लेषण करने और नवीन समाधान तैयार करने की क्षमता होनी चाहिए। श्री सिंह ने मौजूदा समय में तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति को सबसे महत्वपूर्ण शक्ति बताया जो भविष्य के लिए तैयार सेना के विकास को प्रेरित करती है। उन्होंने कहा, "ड्रोन और स्वायत्त वाहनों से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्वांटम कंप्यूटिंग तक, आधुनिक युद्ध को आकार देने वाली प्रौद्योगिकियां आश्चर्यजनक गति से विकसित हो रही हैं। हमारे अधिकारियों को इन तकनीकों को समझना चाहिए और उनका उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए।" रक्षा मंत्री ने रक्षा अधिकारियों को एआई जैसी विशिष्ट प्रौद्योगिकियों का सर्वाधिक लाभ उठाने के बारे में गहन विश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसमें सैन्य अभियानों में क्रांति लाने की क्षमता है। उन्होंने मानवीय हस्तक्षेप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एआई द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों के प्रारंभिक स्तर के बारे में विचार विमर्श की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में एआई पर बढ़ती निर्भरता जवाबदेही और अप्रत्याशित परिणामों की संभावना के बारे में चिंताएं बढ़ा सकती है। श्री सिंह ने लोगों द्वारा दैनिक आधार पर उपयोग किए जाने वाले उपकरणों और प्रौद्योगिकियों को विरोधियों द्वारा हथियार बनाने की संभावना से निपटने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "केवल यह विचार कि हमारे विरोधी उपकरणों का शोषण कर रहे हैं, उस तात्कालिकता की याद दिलाता है जिसके साथ हमें इन खतरों के लिए तैयार रहना चाहिए। एनडीसी जैसे संस्थानों को न केवल ऐसे गैर परंपरागत युद्ध पर केस स्टडी को शामिल करने के लिए बल्कि रणनीतिक नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अपने पाठ्यक्रम को विकसित करना चाहिए। पूर्वानुमान लगाने, अनुकूलन करने और प्रतिक्रिया देने की क्षमता लगातार विकसित होने वाली चुनौतियों का सामना करने में हमारी तत्परता को परिभाषित करेगी।" सैन्य नेतृत्व के सामने आने वाली नैतिक दुविधा के पहलू पर कि मशीनों को जीवन और मृत्यु के फैसले किस हद तक लेने चाहिए, रक्षा मंत्री ने कहा कि नैतिकता, दर्शन और सैन्य इतिहास में अकादमिक शिक्षा अधिकारियों को संवेदनशील विषय को संभालने और निर्णय लेने के लिए उपकरण प्रदान करेगी। उन्होंने वर्तमान युद्ध की चुनौतियों से निपटने के लिए भविष्य के अधिकारियों में नैतिकता पैदा करने में एनडीसी जैसे रक्षा शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अधिकारियों से भू–राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और वैश्विक सुरक्षा गठबंधनों की जटिलताओं पर गहरी पकड़ रखने का आग्रह किया, क्योंकि उनके द्वारा लिए गए निर्णयों के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं जो युद्ध के मैदान से परे और कूटनीति, अर्थशास्त्र और अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे तक फैल सकते हैं। श्री सिंह ने उभरते खतरों का जवाब देने और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने में सक्षम तकनीकी रूप से उन्नत और चुस्त सेना विकसित करने के सरकार के संकल्प को दोहराया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि सशस्त्र बल भविष्य के लिए तैयार और मजबूत रहें, एनडीसी जैसे रक्षा संस्थान सैन्य नेतृत्व के दृष्टिकोण को आकार देने और उन्हें आधुनिक जटिलताओं से निपटने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता से लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का पाठ्यक्रम निरंतर और अनुकूलनीय रहना चाहिए ताकि क्षेत्र में अभ्यासकर्ताओं के लिए इसकी प्रासंगिकता सुनिश्चित हो सके।

यूपी उपचुनाव : प्रभारी मंत्रियों से बोले सीएम योगी

जीतेंगे सभी सीटें, जरूरी है लोगों से संवाद और बूथ प्रबंधन

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपमुख्यमंत्री, जिलों के प्रभारी मंत्री और भाजपा संगठन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उपचुनाव को लेकर व्यापक विचार विमर्श हुआ और रणनीतियां तैयार की गईं। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी 9 सीटों पर उपचुनाव को जीतने के लिए मंत्रियों और पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां भी निर्धारित किया। बैठक के दौरान मंत्रियों और पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह भी तय हुआ कि उपचुनाव में पार्टी का कोई भी नेता अपने निर्धारित क्षेत्र में जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में कोई कमी न छोड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपचुनाव जीतना केवल चुनावी सफलता नहीं बल्कि जनता के विश्वास की जीत होगी, इसलिए हर सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम किया जाना चाहिए। सीएम योगी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक चुनाव प्रबंधन को मजबूती से संभालने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में हर सीट महत्वपूर्ण है और इसके लिए बूथ स्तर पर सटीक प्रबंधन और निगरानी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने नेताओं को अपने–अपने क्षेत्र में सक्रिय रहने और जमीनी स्तर पर लोगों के बीच जाकर चौपाल लगाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि चौपाल के माध्यम से जनता की समस्याओं को समझा जाए और उनका समाधान किया जाए जिससे लोगों का विश्वास पार्टी में बढ़े। बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि प्रभारी मंत्री और पदाधिकारी उन जिलों में अधिक समय बिताएं जहां उपचुनाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याओं को सुनें और त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जिलों के स्थानीय पदाधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर चुनावी तैयारियों को और सुदृढ़ किया जाए। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी पार्टी की तैयारियों का जायजा लिया और सभी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पार्टी सभी 9 सीटों के लिए पूरी तैयारी कर चुकी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। चौधरी ने विश्वास जताया कि पार्टी न सिर्फ 9 घोषित सीटों पर विजय प्राप्त करेगी बल्कि जल्द ही दसवीं सीट भी घोषित होगी और वह भी भाजपा के खाते में ही जाएगी। बता दें कि जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं उसमें 5 सपा और 5 एनडीए गठबंधन के पास थी। बीजेपी के खाते में 3 सीट थी। एक आरएलडी के पास थी और एक निषाद पार्टी के पास थी।

यूपी में भाजपा की सक्रिय सदस्यता अभियान की शुरुआत, सीएम योगी बने पहले सदस्य

लखनऊ,(एजेंसी)। भाजपा ने यूपी में सक्रिय सदस्यता अभियान की शुरुआत की। सीएम योगी ने शनिवार को पार्टी के पहले सक्रिय सदस्य बनकर इस अभियान की शुरुआत की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि संगठन महापर्व में हमने साधारण सदस्यता के लक्ष्य की प्राप्ति के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ को सदस्य बनाकर सक्रिय सदस्यता अभियान की शुरुआत की है। हम सभी कार्यकर्ता मिलकर डेढ़ लाख नए सदस्यों को जोड़ने के अभियान के साथ आगे बढ़ेंगे। आज के दिन ही हम डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक को भी सक्रिय सदस्य बनाकर इस अभियान की शुरुआत करेंगे।इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य बने थे। पार्टी के पहले सक्रिय सदस्य बनने के बाद यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी को बधाई दी थी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, ष्विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा एक राष्ट्रनिष्ठ, लोकनिष्ठ, कर्तव्यनिष्ठ और कार्यकर्ता आधारित दल है। देवतुल्य कार्यकर्ता ही हमारी शक्ति और सामर्थ्य हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी का प्रथम सक्रिय सदस्य बनकर इस भावना को और अधिक मजबूती प्रदान की है। उन्होंने आगे लिखा था कि मैं उत्तर प्रदेश के सभी सम्मानित नागरिकों का आह्वान करता हूं कि प्रधानमंत्री जी के द्वारा आरंभ किए गए इस विशेष अभियान से जुड़ें और श्विकसित उत्तर प्रदेश–विकसित भारतश् की निर्माण यात्रा में सहभागी बनें। बता दें कि भाजपा देश भर में बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान चला रही है। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर सदस्यता कैंप लगाए गए हैं, जहां लोग आसानी से भाजपा की सदस्यता ले सकते हैं।

'वेस्ट' से बनाएं 'वेल्थ', वैकल्पिक ईंधन कम करेंगे लागत : गडकरी

● श्री गडकरी ने यहां दो दिवसीय सेमिनार को संबोधित किया

भोपाल, एजेंसी। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क एवं पुल निर्माण से जुड़े विशेषज्ञों को उनके कार्यक्षेत्र से जुड़ी बेहद बारीकियों की जानकारी देते हुए आज कहा कि देश में आज 'वेस्ट' से 'वेल्थ' बनाने और निर्माण सामग्री की लागत कम करने की आवश्यकता है, जिसके लिए वैकल्पिक ईंधन एक बेहतर उपाय हो सकते हैं। श्री गडकरी ने यहां आयोजित सड़क और पुल निर्माण में उभरती नवीनतम प्रवृत्तियों और तकनीकों पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार को संबोधित किया। समारोह के इस उद्घाटन सत्र में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी उपस्थित रहे। अपने लगभग एक घंटे के संबोधन में श्री गडकरी ने ना केवल प्रशासनिक कमजोरियों पर सबका ध्यान आकर्षित किया, बल्कि अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी त्रुटियों को भी रेखांकित किया। उन्होंने अधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि लागत कम करते हुए गुणवत्ता कैसे सुधारें, ये देश का लक्ष्य है। इस दिशा में भी देश को आत्मनिर्भर बनाने की उनकी कोशिश है। देश के विकास में सबसे अहम चीज बुनियादी सुविधाओं को माना जाता है। ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी प्राथमिकता है, इसलिए देश–विदेश के अच्छे प्रयोगों को भारत में भी किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि कोई भी चीज व्यर्थ नहीं होती। हमें उससे कैसे श्वेल्थश बनाना है, ये हमें देखना होता है। उन्होंने नागपुर और पुणे में इस दिशा में किए गए कई प्रयोगों के उदाहरण भी इस दौरान दिए। श्री गडकरी ने इस दौरान सड़क निर्माण के दौरान होने वाली त्रुटियों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कटाक्ष के लहजे में अधिकारियों को भी नसीहत दे डाली। उन्होंने कहा कि कुछ लोग घर बैठ कर गूगल से ही नक्शे बना लेते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में परफेक्शन होना चाहिए। कोई भी अधिकारी डीपीआर बनाते हुए साइट पर जाते हैं क्या। इसके बाद मंदिर–मस्जिद बीच में आने पर परेशानियां खड़ी होती हैं। इसी क्रम में उन्होंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से अनुरोध किया कि आईआईटी के सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों से डीपीआर चेक करवाएं। श्री गडकरी ने कहा कि आज हमारे देश का सड़क नेटवर्क 63 लाख किमी है, जो दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान वे (स्वयं श्री गडकरी) महाराष्ट्र में मंत्री थे। उसी दौरान श्री वाजपेयी ने उनसे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पर काम करवाया। इस संबंध में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सुंदर लाल पटवा के माध्यम से बात हुई। ग्राम सड़क योजना जब जमीन पर शुरु हुई तो उससे देश के साढ़े छह लाख गांवों में से साढ़े तीन लाख गांवों को सड़कों से जोड़ा गया।

बहराइच : मूर्ति विसर्जन विवाद के बाद आरोपियों सहित 23 अन्य के घर नोटिस चस्पा

बहराइच, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में महराजगंज बाजार में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसा के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। लोक निर्माण विभाग ने घटना में शामिल आरोपियों सहित 23 लोगों के मकानों पर शुक्रवार देर शाम को नोटिस चस्पा किए हैं। इस नोटिसों में सड़क पर अतिक्रमण कर, किए गए निर्माण को तीन दिनों के भीतर स्वयं तोड़ने का

अल्टीमेटम दिया गया है। इस घटना के बाद से, महराजगंज बाजार में दहशत का माहौल है। लोग अपना सामान ट्रैक्टर ट्रॉली और अन्य साधन से निकालने में लगे हैं। ऐसे में वहां रह रहे लोग अपना सामान बचाने के लिए उसे सुरक्षित स्थान की ओर ले जा रहे हैं। शनिवार सुबह से ही बाजार में लोगों की हलचल देखी जा रही है। घटना हरदी थाना क्षेत्र के महराजगंज बाजार में हुई थी, जहां मूर्ति विसर्जन जुलूस पर पथराव के दौरान हुई फायरिंग में रेहुआ मंसूर गांव निवासी राम गोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से पुलिस ने मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

न्यायालय की जनता की अदालत की भूमिका संरक्षित रखी जानी चाहिए : सीजेआई चंद्रचूड़

पणजी, एजेंसी। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई.चंद्रचूड़ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय की जनता की अदालत की भूमिका संरक्षित रखी जानी चाहिए लेकिन इसका अभिप्राय यह नहीं है कि वह संसद में विपक्ष की भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि कानूनी सिद्धांत की असंगतता या त्रुटि के लिए न्यायालय की आलोचना करना उचित है, लेकिन परिणामों के परिप्रेक्ष्य से उसकी भूमिका या कार्य को नहीं देखा जा सकता। प्रधान न्यायाधीश दक्षिण गोवा में सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) के आयोजित पहले सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''उच्चत न्यायालय की न्याय तक पहुंच का

प्रतिमान पिछले 75 वर्षों में विकसित हुआ है और कुछ ऐसा है जिसे हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।'' न्यायामूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जब समाज बढ़ता है समृद्ध और संपन्न होता है, तो ऐसी धारणा बनती है कि आपको केवल बड़ी–बड़ी चीजों पर ही ध्यान देना चाहिए। हमारा न्यायालय ऐसा नहीं है। हमारा न्यायालय जनता की अदालत है और मुझे लगता है कि लोगों की अदालत के रूप में शीर्ष न्यायालय की भूमिका को भविष्य के लिए संरक्षित रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''अब, जनता की अदालत होने का मतलब यह नहीं है कि हम संसद में विपक्ष की भूमिका निभाएं।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "मुझे लगता है, विशेष रूप से आज के समय में, उन लोगों के बीच एक बड़ा विभाजन है जो सोचते हैं कि जब आप उनके पक्ष में निर्णय देते हैं तो उच्चतम न्यायालय एक अद्भुत संस्था है, और जब आप उनके खिलाफ निर्णय देते हैं तो यह एक ऐसी संस्था है जो बदनाम है।"

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है क्योंकि आप परिणामों के परिप्रेक्ष्य से शीर्ष न्यायालय की भूमिका या उसके काम को नहीं देख सकते हैं। व्यक्तिगत मामलों का नतीजा आपके पक्ष में या आपके खिलाफ हो सकता है।

आदिवासी इस देश के पहले मालिक हैं : राहुल गांधी

संविधान पर हो रहा हमला, इसकी रक्षा करने की जरूरत

झारखंड, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज झारखंड में हैं। राहुल गांधी ने 'संविधान सम्मान सम्मेलन' को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि जब भाजपा के लोग आदिवासियों को वनवासी कहते हैं तो वे क्या करना चाह रहे हैं? वे आपके जीवन जीने के तरीके, इतिहास और विज्ञान को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका आप हजारों वर्षों से पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी का अर्थ है जो पहले मालिक थे, जबकि वनवासी का अर्थ है जो जंगल में रहते हैं। राहुल ने कहा कि जब इस शब्द का प्रयोग किया जाता है तो यह सिर्फ एक शब्द नहीं होता। यह आपका पूरा इतिहास है। मैंने भारत की शिक्षा व्यवस्था में अध्ययन किया है। आदिवासियों के बारे में आपको

केवल 10–15 पंक्तियाँ ही मिलेंगी। उनका इतिहास क्या है, उनका जीवन जीने का तरीका क्या है... उसके बारे में कुछ नहीं लिखा गया है। उन्होंने कहा कि आपके लिए ओबीसी शब्द का इस्तेमाल किया गया था। क्या यह आपका नाम है?...किसने कहा कि आप पिछड़े हैं?...आपको आपका अधिकार नहीं दिया गया...इस देश को बनाने वाले किसानों, मजदूरों, बढ़ई, नाई, मोची का इतिहास कहां है? राहुल ने साफ तौर पर कहा कि आज संविधान के सम्मान के साथ ही उसकी रक्षा भी करनी है। राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा आदिवासियों की विरासत, इतिहास, परंपरा, चिकित्सा पद्धतियों को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने बार–बार जोर दिया कि संविधान पर हर तरफ से हमला हो रहा है, इसकी रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली हमें मूल निवासियों के बारे में सिखाने में विफल रही; आदिवासियों, किसानों, ओबीसी का इतिहास नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि नौकरशाही में शीर्ष 90 आईएएस अधिकारियों में केवल तीन ओबीसी हैं; वित्त मंत्रालय में कोई दलित, आदिवासी नहीं।

सम्पादकीय

अमीर-गरीब देशों के फर्क का राज

विश्व का सबसे सम्मानित कहा जाने वाला नोबेल पुरस्कार अर्थशास्त्र के क्षेत्र में तीन शोधकर्ताओं डारोन एसिमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स ए. रॉबिन्सन को दिया गया है। उन्होंने इस बात का पता किया है कि आखिर वे कौन से तथ्य हैं जिनके चलते विभिन्न देशों के बीच अमीरी–गरीबी का फर्क पैदा होता है। उन्होंने इसे दूर करने के कुछ उपाय बताये हैं जिन पर अमल कर वैश्विक गैरबराबरी को काफी हद तक दूर किया जा सकता है। देखना यह होगा कि जिन देशों के पास दुनियावी बदलाव करने की ताकत है, वे इस पर कितना अमल करते हैं। जाहिर है कि ऐसा कर वे स्वयं अपने रुतबे तथा दबदबे को खत्म करेंगे। इस रिसर्च को तो उन राष्ट्राध्यक्षों को ध्यान से पढ़ने, समझने और उसे क्रियान्वित करने की जरूरत है जो अपने देश के नागरिकों को खुशहाल बनाना चाहते हैं। यहां सवाल विश्व के सम्पन्न देशों की सूची में आना मात्र नहीं है वरन अपने नागरिकों के रहन–सहन के स्तर को ऊंचा करना और उन्हें एक गरिमामय जीवन प्रदान करना भी है। एसिमोग्लू, जॉनसन और रॉबिन्सन ने अपने सामूहिक अध्ययन एवं विशद विश्लेषण से स्पष्ट किया है कि कुछ देश क्यों अमीर हो गये और अनेक किसलिये गरीब हैं। इसके लिये उन्होंने कुछ इलाकों के उदाहरण भी प्रस्तुत किये हैं जिनके कुछ क्षेत्र एक देश में हैं तो कुछ दूसरे देश में। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेस ने सोमवार को इन अर्थशास्त्रियों को संयुक्त रूप से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने का ऐलान करते हुए उनके काम की महत्ता को रेखांकित किया। 5 क्षेत्रों में दिये जाने वाला नोबेल आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले को श्स्वेरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कारश कहलाता है। समिति ने कहा कि पुरस्कार के लिये चयनित अर्थशास्त्रियों ने पहली बार सामाजिक संस्थाओं के महत्व को प्रतिपादित करते हुए देशों की समृद्धि में उनके योगदान की वैज्ञानिक तरीके से मीमांसा की है। अपने शोध से उन्होंने यह भी बतलाया कि कैसे लोकतंत्र एवं समावेशी सामाजिक संस्थानों के जरिये राष्ट्र का विकास सम्भव है। एसिमोग्लू, जॉनसन तथा रॉबिन्सन के इस शोध ने बताया है कि खराब कानून व्यवस्था तथा नागरिकों का शोषण करने वाली संस्थाएं या देश सकारात्मक बदलाव नहीं ला सकते। पुरस्कार समिति का यह कहना कि, श्देशों के बीच आय के अंतर को खत्म करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती हैश, ऐसी वैश्विक अर्थव्यवस्था के दुष्प्रभावों की ओर छिपा संकेत है जिसके माध्यम से कई देशों की राजनैतिक एवं आर्थिक संस्थाओं को बर्बाद कर उन्हें पिछड़ा बना दिया गया है। उपरोक्त अर्थशास्त्रियों ने यूरोपीय उपनिवेशों द्वारा प्रवर्तित विभिन्न राजनीतिक व आर्थिक प्रणालियों का विशेलेषण कर संस्थाओं एवं सम्पन्नता के अंतर्संबंधों का पता किया है। उन्होंने इसके उपाय भी बताये हैं कि कैसे इन संस्थाओं को सक्षम कर विकास में उनका सहयोग लिया जा सकता है। इसके कारण यह शोध विश्व भर के उन देशों के लिये मददगार हो सकता हैं जो गरीबी से छुटकारा पाना चाहते हैं। उनकी शोध बतलाती है कि कैसे दुनिया के सर्वाधिक सम्पन्न 20 प्रतिशत देश अब विश्व के सबसे गरीब 20 फीसदी देशों से 30 गुना अमीर हैं। कई विपन्न देश समृद्ध तो हुए हैं लेकिन वे अमीर देशों की तुलना में अब भी कई गुना कम सम्पन्न हो सके हैं। इसका कारण उन्होंने भौगोलिक या सांस्कृतिक फर्क नहीं, सामाजिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली में अंतर को जिम्मेदार बतलाया है। अपनी बात को विस्तार देते हुए तीनों ने बताया है कि उनके मॉडल के तीन हिस्से हैं। पहला तो यह देखना होगा कि संसाधनों का आवंटन कैसे हुआ हैय तथा निर्णय लेने की शक्ति किस समूह के पास है। दूसरा यह कि कभी–कभार जनता को सत्तारुढ़ अभिजात वर्ग को संगठित कर सत्ता का इस्तेमाल करने का जब अवसर मिलता है तो समाज में निर्णय लेने की शक्ति कहीं अधिक हो जाती है। तीसरी है प्रतिबद्धता। सत्तारुढ़ अभिजात वर्ग के लिये एकमात्र विकल्प जनता को निर्णय लेने की शक्ति सौंपना है। उपरोक्त निष्कर्षों को यदि गौर से देखा जाये तो बात अंततरू स्वच्छ लोकतांत्रिक प्रणाली एवं ईमानदार संवैधानिक संस्थाओं की आवश्यकता पर जाकर ठहरेगी। किसी भी देश में चाहे जिस विचारधारा की सरकार हो उसके सही या गलत होने का पैमाना यही होगा कि वह इन संस्थाओं को कितनी स्वंतत्रतापूर्वक काम करने देती है। सरकारों का केवल लोकतांत्रिक प्रणाली के जरिये चुना जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक तरीके से शासन करना भी उतना ही जरूरी है। साथ ही आवश्यक है लोकतांत्रिक संस्थाओं को सम्प्रभुता प्रदान करना। भारत समेत अनेक देशों के ही उदाहरण देखें तो शासकों की प्रवृत्ति शक्तियों के केन्द्रीकरण में है। हमारे ही देश में संस्थाएं कमजोर होती गयी हैं और राज्य शक्तिशाली। बड़ी दिक्कत यह है कि लोगों की समझ को इस प्रकार से भोंथरा कर दिया गया है कि शक्तिशाली सरकारों वाले देश ही सम्पन्न हो सकते हैं। नोबेल पुरस्कृत उपरोक्त अर्थशास्त्रियों ने अध्ययन का दायरा देशों की आर्थिक व्यवस्था तक ही सीमित रखा है, लेकिन इसे समझने के लिये अपनी सोच को विस्तार दिया जाये तो यह भी साफ होता जायेगा कि संस्थाओं की जिस मजबूती की बात की गयी है, उसके अभाव में किसी भी देश में न केवल आर्थिक अव्यवस्था हो जायेगी वरन सामाजिक एवं राजनीतिक अराजकता फैलने में भी देर नहीं लगेगी। यह आशंका तीसरी दुनिया कहे जाने वाले एशियाई, अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिकी उन देशों को लेकर अधिक है जो अविकसित तथा विकासशील राष्ट्रों की श्रेणी में आते हैं।

पार्टियां मुफ्त की रेवड़ी के नाम पर वोट लेती रहेंगी

अजीत द्विवेदी

देश में चुनाव का सीजन चल रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद दो राज्यों के चुनाव हुए हैं और दो अन्य राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। अगर पूछा जाए कि इस साल के हर चुनाव का केंद्रीय

मुद्दा क्या था तो जवाब होगा, मुफ्त की रेवड़ी। चुनाव में और भी बहुत सी चीजें होती हैं लेकिन मुख्य रूप से मुफ्त की रेवड़ी पर ही सभी पार्टियों ने चुनाव लड़ा। तभी जब दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने गर्व से कहा कि उन्होंने दिल्ली के लोगों को श्छह मुफ्त की रेवड़ीय दी है और सातवीं रेवड़ी देने वाले हैं तो आश्चर्य नहीं हुआ। आखिर मुफ्त की रेवड़ी के आधुनिक संस्करण के जनक केजरीवाल ही हैं। इसलिए अगर वे इस पर गर्व कर रहे हैं और प्रधानमंत्री की ओर से बोले गए इस जुमले को तमगा बना कर सीने पर टांक रहे हैं तो उस पर क्या हैरान होना?

केजरीवाल ने अपने को और अधिक एक्सपोज करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भी प्रचार करने को तैयार हैं अगर वे एनडीए के शासन वाले 22 राज्यों में बिजली फ्री कर दें। सोचें, कैसी वैचारिक, नैतिक और राजनीतिक गिरावट है? जिस भाजपा और नरेंद्र मोदी को केजरीवाल, उनकी पार्टी और उनका पूरा गठबंधन संविधान के लिए, देश के लिए और समाज के लिए खराब मानता है उनके लिए भी सिर्फ बिजली फ्री होने पर प्रचार किया जा सकता है! क्या यही केजरीवाल की वैचारिक प्रतिबद्धता है कि बिजली फ्री हो जाए तो मोदी के लिए भी प्रचार करेंगे? क्या इसी आधार पर मोदी के खिलाफ लड़ेंगे? सवाल है कि अगर मोदी की पार्टी ने दिल्ली में बिजली फ्री कर दी तो क्या करेंगे केजरीवाल? अगर मोदी ने बिजली के साथ साथ वो तमाम चीजें मुफ्त में देने की घोषणा कर दी, जो केजरीवाल की सरकार दे रही है तो क्या केजरीवाल दिल्ली की सत्ता छोड़ देंगे और मोदी के लिए प्रचार करेंगे? ऐसा तो कतई नहीं होगा क्योंकि मुख्यमंत्री की कुर्सी छोडने के अगले दिन से ही उनकी बेचौनी बढ़ी है और वे नवंबर में ही चुनाव कराने की चुनौती भाजपा को दे रहे हैं। फरवरी तक इंतजार करने का धीरज भी उनमें नहीं दिख रहा है!

इसलिए केजरीवाल की बातों पर हैरानी नहीं होती है। वे इस तरह की विरोधाभासी और बेतुकी बातें करते रहते हैं। हैरानी इस बात पर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुफ्त की रेवड़ी का जुमला गढ़ा और इसका मजाक उड़ाया फिर भी उनकी पार्टी इसी की राजनीति कर रही है! उन्होंने कहा था कि मुफ्त की रेवड़ी की राजनीति से देश की अर्थव्यवस्था बरबाद हो जाएगी। लेकिन उनकी पार्टी अब इस राजनीति की चौंपियन बन गई है। भाजपा दूसरी सभी पार्टियों को इस राजनीति में पीछे छोड़ रही है। अभी झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने महिलाओं को नकद पैसे देने के लिए मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना शुरू की, जिसमें महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं तो भाजपा ने गोगो दीदी योजना का ऐलान किया, जिसमें सरकार बनने पर हर महिला को हर महीने 21 सौ रुपए दिए जाएंगे।

यानी जितना हेमंत सरकार देगी उसका दोगुना। इसके अलावा भी भाजपा ने बहुत कुछ मुफ्त में देने का ऐलान किया है। उसने महाराष्ट्र में लड़की बहिन योजना शुरू की है, जिसमें हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रुपए दिए जा रहे हैं। इस योजना के मद पर हर साल 46 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। तभी पिछले दिनों केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इस योजना पर सब्सिडी इतनी ज्यादा है कि बाकी योजनाओं की सब्सिडी का पैसा समय पर दिया जा सकेगा या नहीं यह तय नहीं है। इसका मतलब है कि मुफ्त की रेवड़ी वाली योजनाओं से सभी सरकारों का बजट प्रभावित हो रहा है इसके बावजूद सभी पार्टियों में होड़ मची है। पार्टियों के नेता गर्व से कह रहे हैं कि उन्होंने छह मुफ्त की रेवड़ी दी है और सातवीं देंगे। हैरानी नहीं होगी, अगर आम आदमी पार्टी के मुकाबले में भाजपा की ओर से आठ वस्तुएं या सेवाएं मुफ्त में देने का वादा किया जाए। यह होड़ ऐसी है कि झारखंड में भाजपा ने महिलाओं को 21 सौ रुपए हर महीने देने का ऐलान किया तो सत्तारूढ़ जेएमएम ने कहा है कि अगली सरकार बनी तो वह एक हजार रुपए की राशि को बढ़ा कर ढाई हजार कर देगी।

सोचें, पार्टियां राजस्व का स्रोत नहीं बता रही हैं। राजस्व बढ़ाने के उपायों की चर्चा नहीं हो रही है। बुनियादी ढांचे के विकास पर बात नहीं हो रही है। देश और राज्य के संरचनात्मक विकास की चर्चा नहीं हो रही है। लोगों के जीवन में गुणात्मक बदलाव लाने की बातें नेपथ्य में चली गई हैं। अब सिर्फ मुफ्त की रेवड़ी की बात हो रही है। चुनाव जीतने के लिए ऐसे ऐसे वादे किए जा रहे हैं, जिन्हें पूरा करने में राज्यों का वित्तीय ढांचा चरमरा रहा है। सरकारों के पास वेतन और पेंशन देने के पैसे पूरे नहीं हो रहे हैं। सरकारें तय सीमा से कहीं ज्यादा कर्ज ले चुकी हैं और उनके राजस्व का बड़ा हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में जा रहा है। लेकिन पार्टियों को इसकी परवाह नहीं है। उनको किसी तरह से सत्ता में आना है, उसके बाद चाहे जो हो। चुनाव जीतना राजनीति का परम लक्ष्य हो गया है। पार्टियां और उसके नेता सोच नहीं रहे हैं कि उनकी यह राजनीति एक दिन देश की पूरी अर्थव्यवस्था को मलबे के ढेर में बदल देगी। पार्टियों का सत्ता का अंध मोह तो समझ में आता है। उनके लिए सत्ता सर्वोपरि है और वे इसके लिए ही राजनीति करती हैं। लेकिन ज्यादा हैरानी आम नागरिकों की सोच को लेकर हो रही है। बुनियादी ढांचे का विकास नहीं होने, शिक्षा व स्वास्थ्य की व्यवस्था बेहतर नहीं होने, रोजगार की जरुरत पूरी नहीं होने और भयंकर महंगाई व गरीबी के बावजूद वे मुफ्त की रेवड़ी के जाल में फंसे हैं। उनको समझ में नहीं आ रहा है कि सरकारें उनका खून चूस रही हैं। जिस तरह से स्वच्छैक रक्तदान करने पर स्वंयसेवी संस्थाएं और अस्पताल वाले रक्तदान करने वाले को जूस का एक ट्रेटा पैक देते हैं। उसी तरह सरकारें अलग अलग किस्म के टैक्स के जरिए जनता की जेब खाली कर रही हैं यानी उनका खून निकाल रही हैं और बदले में जूस का एक टेट्रा पैक यानी मुफ्त की रेवड़ी दे रही हैं। रक्तदान के बाद तो फिर शरीर में खून बन जाता है लेकिन ऐसे ही लोगों की कमाई नहीं बढ़ रही है। जब तक लोग अपने व्यापक और दूरगामी हितों को देख कर मतदान नहीं करेंगे तब तक पार्टियां मुफ्त की रेवड़ी के नाम पर उनका वोट लेती रहेंगी और उनका शोषण करती रहेंगी।

खाद्य सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम... ६१ फसलों की १०९ नई और उन्नत किस्मों से बढ़ेगी आमदनी

❍ सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा मजबूत करने के लिए जो कदम आगे बढ़ाए हैं, वे ग्रामीण विकास का नया अध्याय लिखेंगे।

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय देश में किसानों के सशक्तीकरण, कृषि उन्नयन और खाद्य सुरक्षा के जो नए अध्याय लिखे जा रहे हैं, वे अत्यधिक लाभप्रद दिखाई दे रहे हैं। विगत नौ अक्तूबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना समेत खाद्यान्न वितरण के अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों में पोषण युक्त चावल का वितरण वर्ष 2028 के अंत तक जारी रखे जाने का निर्णय लिया है। इसके लिए सरकार ने 17,082 करोड़ रुपये खर्च करने को मंजूरी प्रदान की है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक, सरकार किसानों के कल्याण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, कृषि क्षेत्र में अधिक निवेश और कृषि शोध व नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) योजना की 18वीं किस्त जारी की। किसानों की आमदनी बढ़ाने और मध्यम वर्ग के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का फैसला लेते हुए केंद्र सरकार ने कृषि से संबंधित दो योजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें से पीएम–राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) का लक्ष्य सतत कृषि को प्रोत्साहित करना है, जबकि कृषोन्नति योजना (केवाई) के तहत खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर आत्मनिर्भरता हासिल की जाएगी। राज्यों के साथ मिलकर केंद्र सरकार इन दो योजनाओं पर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च करेगी। इन दोनों योजनाओं को एक अंब्रेला स्कीम के रूप में लागू किया जाएगा, जिसके तहत कृषि मंत्रालय की सभी योजनाओं का पुनर्गठन किया जाएगा। इससे देश में खाद्य सुरक्षा भी मजबूत होगी, जिससे आने वाले वर्षों में कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, सरकार ने खाद्य तेलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय खाद्य तेल–तिलहन मिशन को भी मंजूरी दी है, जो वित्तीय वर्ष 2031 तक चलेगा। इसका उद्देश्य देश में खाद्य तेलों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो सके।

कृषि मंत्री के मुताबिक, कृषि क्षेत्र में दिखाई दे रही बुनियादी ढांचा, भंडारण, प्रसंस्करण और लॉजिस्टिक सुविधाओं के लिए सरकार रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रही है। कृषि बुनियादी ढांचा कोष (एआईएफ) के तहत कई परियोजनाएं तेजी से पूरी हो रही हैं। पिछले 100 दिनों में, देश में 10,066 से अधिक कृषि–बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनके लिए 6,541 करोड़ रुपये खर्च होंगे। ये अवसंरचनाएं एफपीओ को परिचालन बढ़ाने में सक्षम बना रही हैं, जिससे किसानों और कृषि क्षेत्र को काफी लाभ हो रहा है। एक मजबूत मूल्य आपूर्ति शृंखला स्थापित करने और छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों का समर्थन करने के लिए केंद्र सरकार ने देश के हर ब्लॉक को कवर करते हुए 10,000 एफपीओ के गठन और संवर्धन के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) शुरू की है। अब तक, लगभग 9,200 एफपीओ का गठन किया जा चुका है, जिससे 24 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं।

इनके साथ–साथ पिछले दिनों सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र की सात बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिन पर कुल 14,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विगत अगस्त में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली के खेतों में जाकर 61 फसलों की 109 नई एवं उन्नत किस्में जारी की गई हैं, उनसे देश में कम जमीन में अधिक पैदावार लेने और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिल सकेगी। निस्संदेह सरकार ने कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया है और देश में कृषि उन्नयन, खेती में नवाचार को प्रोत्साहन देने, लागत कम करते हुए उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आय बढ़ाने का अभियान चलाया है। सरकार को इस वर्ष बेहतर मानसून का भी फायदा मिला है। लेकिन अभी सरकार को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संवारने के लिए कई अहम बातों का ध्यान रखना होगा। सरकार के द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल, कृषि में मशीनीकरण को बढ़ाए जाने, जलवायु अनुकूल कृषि–खाद्य प्रणाली अपनाने, ग्रामीण कच्ची सड़कों को मंडियों से जोड़ने जैसी नीतिगत प्राथमिकताओं के साथ–साथ आपूर्ति शृंखला में सुधार कर महंगाई को नियंत्रित करना होगा। सब्जी और फलों की बर्बादी रोकने के लिए खाद्य भंडारण और वेयरहाउसिंग ऋणों की राशि दोगुनी सुनिश्चित की गई है, पर उसके कारगर उपयोग पर ध्यान देना होगा। हम उम्मीद करें कि सरकार के द्वारा किसानों की आय बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा मजबूत करने के साथ–साथ कृषि एवं ग्रामीण विकास उन्नयन के लिए जो कदम उठाए गए हैं उससे जहां किसान लाभान्वित होंगे, वहीं कृषि तथा ग्रामीण विकास का नया अध्याय लिखा जाएगा।

हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस को महाराष्ट्र में अधिक सावधान रहना होगा

कांग्रेस पार्टी को अपने इंडिया गठबंधन सहयोगियों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उसने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव को ठीक से नहीं लड़ा, जिससे भाजपा को दस साल की सत्ता विरोधी लहर के बावजूद तीसरी बार जीत हासिल करने का मौका मिल गया। अधिकांश एग्जिट पोल ने कांग्रेस की स्पष्ट जीत की भविष्यवाणी की थी, लेकिन भाजपा ने 90 में से 48 सीटें हासिल कीं, एक ऐसी जीत जिसने खुद भाजपा को भी चौंका दिया। यदि कांग्रेस हरियाणा में जीत जाती तो कांग्रेस के पुनरुत्थान की कहानी को बढ़ावा मिलता। हालांकि, कांग्रेस ने हाल ही में आंतरिक संघर्षों के कारण यह पांचवां विधानसभा चुनाव गंवा दिया। इसके पहले वह पंजाब, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हार चुकी थी। अब यह अनिश्चित है कि इंडिया गठबंधन में उसकी साझेदार राजनीतिक पार्टियां भाजपा के खिलाफ लड़ाई में उसके साथ एकजुट होंगे या नहीं। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के लिए आप के साथ गठबंधन जीत के लिए फायदेमंद होता है या नहीं, इस पर बहस हो रही है। दूसरे, हार का असर महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले आगामी चुनावों पर पड़ेगा। हरियाणा के नतीजों का तत्काल असर दिल्ली, महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों में सीटों के बंटवारे पर पड़ने की संभावना है। तीसरे, यह अनिश्चित है कि कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन होगा या नहीं। आप पहले ही कह चुकी है कि वह अकेले चुनाव लड़ेगी। अपनी अनुकूलता और समझौते की वजह से 2024 के लोकसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक ने अच्छा प्रदर्शन किया। गठबंधन का मुख्य उद्देश्य भाजपा से आमने–सामने की लड़ाई करना था और भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित नहीं करना था। गठबंधन ने चिड़चिड़े मुद्दों को पीछे छोड़ दिया और इसके कारण चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहा। उन्होंने भाजपा को हराने के एकमात्र उद्देश्य से काम किया और कुछ हद तक इसमें सफल भी रहे। भाजपा का बहुमत कम हो गया और जेडी(यू) और टीडीपी की मदद से सरकार बनानी पड़ी। हरियाणा की हार ने गठबंधन के भीतर की स्थिति को बदल दिया है, जिसके बाद इंडिया ब्लॉक की अन्य राजनीतिक पार्टियों को कांग्रेस पर बढ़त मिल गयी है। साझेदार शायद थोड़ी अधिक संयमित और समझ–बूझ से निर्णय करते हुए अब कांग्रेस के साथ काम करेंगे। अभी तक किसी राजनीतिक पार्टी ने यह नहीं कहा है कि इंडिया ब्लॉक खत्म हो गया है। इसके विपरीत, हार के एक दिन बाद समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के बयान से संकेत मिलता है कि कांग्रेस के साथ सपा का गठबंधन जारी रहेगा। अखिलेश ने कहा, श्मैं कहना चाहता हूं कि इंडिया ब्लॉक बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस–सपा का गठबंधन बरकरार रहेगा। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वह दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ेगी, जबकि उसने तीन महीने पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। कांग्रेस तथा आप को कोई सीट नहीं मिली थी। अन्य सहयोगियों ने कांग्रेस की अति आत्मविश्वास और सीट बंटवारे के प्रति उसके कठोर रवैये की आलोचना की। लोकसभा चुनाव में अपनी संख्या दोगुनी करने वाली कांग्रेस हरियाणा में मिली करारी हार के बाद कमजोर पड़ गयी है। अधिकांश एग्जिट पोल ने हरियाणा में कांग्रेस की आश्चर्यजनक जीत का संकेत दिया क्योंकि भाजपा को 10 साल की सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ा और असंतुष्ट लोगों के एक वर्ग से निपटना पड़ा। हालांकि, भाजपा ने सबको चौंका दिया और हरियाणा में अपनी सबसे प्रभावशाली जीत दर्ज की। इस ग्रामीण राज्य में किसी भी पार्टी को कभी भी तीसरे कार्यकाल के लिए जीत हासिल नहीं हुई थी। महाराष्ट्र में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे पर चर्चा चल रही है। कांग्रेस को सीट बंटवारे के फॉर्मूले और चुनाव से पहले ही ठाकरे को सीएम के चेहरे के रूप में पेश करने की शिवसेना की मांग पर अधिक संवेदनशील होने की जरूरत है। आप ने हरियाणा चुनाव में कोई सीट नहीं जीती, लेकिन उसे लगभग 1.78 प्रतिशत वोट मिले। अगर कांग्रेस ने आप के साथ गठबंधन किया होता तो निस्संदेह यह इंडिया ब्लॉक की झोली में जुड़ जाता। शिवसेना नेता संजय राऊत के अनुसार, कांग्रेस ने छोटी पार्टियों और उनके सहयोग के प्रस्तावों को नजरअंदाज कर दिया। तृणमूल कांग्रेस, आप, शिवसेना (उद्धव), नेशनल कॉन्फ्रेंस, आरजेडी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अन्य पर्टियों के नेताओं ने हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी के लिए कांग्रेस की आलोचना की। शिवसेना के मुखपत्र सामना में बुधवार को संपादकीय में कहा गया, श्किसी ने नहीं सोचा था कि हरियाणा में भाजपा की सरकार फिर बनेगी। ऐसा लगता है कि कांग्रेस के अति आत्मविश्वास और स्थानीय कांग्रेस नेताओं के अहंकार के कारण पार्टी की हार हुई।श लोकसभा चुनाव के दौरान सीट बंटवारे के लिए अपनाये गये फॉर्मूले को दोहराना महत्वपूर्ण है, कम से कम महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव में तो यही होगा। कमजोर कांग्रेस अपने अधिकांश सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे में बढ़त नहीं बना पायेगी। गठबंधन में मौजूदा मूड का असर कांग्रेस के अपने सहयोगियों के साथ संबंधों पर पड़ना चाहिए। विपक्ष शायद और झटके न झेल पाये। कांग्रेस को भाजपा के साथ सीधी लड़ाई में लोक सभा की 286 सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। 2024 के चुनावों ने साबित कर दिया कि भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का स्ट्राइक रेट 2019 के 8 प्रतिशत से बढ़कर 29प्रतिशत हो गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने भाजपा के साथ 286 सीटों पर चुनाव लड़ा, जो 2014 में 370 से कम है। कांग्रेस 2004 और 2009 में अपने सहयोगियों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंधों के कारण सत्ता में आई थी। इंडिया गठबंधन को बनाये रखने की जिम्मेदारी मोटे तौर पर कांग्रेस पर है। उसे यह समझना चाहिए कि हर साथी, चाहे वह छोटा हो या बड़ा जरूरी है। कांग्रेस ने आत्ममंथन किया है। पंचमढ़ी और शिमला इसके अच्छे उदाहरण हैं। अब एक और ऐसे सत्र का समय आ गया है।

बीएचयू एसएसबी के कैथ लैब कांपलेक्स में भर्ती हो रहे हृदय रोगी

संक्रमण का खतरा, कुलपति-निदेशक को पत्र

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू शताब्दी सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) हृदय रोग विभाग में दिल के मरीजों को कैथ लैब कांपलेक्स (उस जगह जहां दिल के मरीजों की सर्जरी की जाती है) में भर्ती किया जा रहा है। इसको लेकर विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. ओमशंकर ने सवाल खड़ा करते हुए कुलपति, निदेशक को पत्र लिखकर इसको मरीजों के हित के विपरीत फैसला बताया। इसकी कॉपी चिकित्साधीक्षक को भी दी है। प्रोफेसर ओमशंकर ने कुलपति को लिखे पत्र में बताया है कि यह दुखद है कि कैथ लैब ऑपरेशन थिएटर के बेड का चिकित्सा अधीक्षक के आदेश के बाद मरीजों की भर्ती के लिए गलत उपयोग किया जा रहा है, जिससे हृदय रोगियों के जान की सुरक्षा का खतरा बना है। पहले हृदय विभाग को आवंटित 90 बेड में से 49 बेड छीन लिए

गए। इसके बाद बेड की समस्या को छिपाने के लिए कैथ लैब में बने बेड पर मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। इस तरह की स्थिति तब है जब कैथ लैब ऑपरेशन थिएटर में जो बेड हैं, वहां मरीजों को ऑपरेशन से पहले और बाद में लिटाया जाता है। यह हृदय रोग विभाग और विश्वविद्यालय की साख के लिए हानिकारक है। साथ ही इससे मरीजों की सेहत को गंभीर खतरा भी है। उन्होंने कुलपति से मामले में हस्तक्षेप कर कार्रवाई की मांग की है। उधर इस मामले में आइएमएस बीएचयू के निदेशक प्रो. एसएन संखवार का कहना है कि प्रो. ओमशंकर ने जो भी सवाल उठाए हैं, उसके आधार पर विभागाध्यक्ष से जानकारी मांगी जाएगी। कहा कि मरीजों को बेहतर इलाज, जांच की सुविधा मुहैया करवाने की दिशा में हर संभव बेहतर प्रयास किए जाएंगे।

स्ट्रीट लाइट किसी भी विभाग की हो, मरम्मत कराएगा नगर निगमय शिकायतों की मिली भरमार

वाराणसी। शहर की स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत को लेकर आए दिन समस्या आ रही है। इसे देखते हुए तय किया गया कि शहर में किसी भी विभाग की ओर से स्ट्रीट लाइट लगाई गई हो, लेकिन वह खराब होगी तो उसकी मरम्मत नगर निगम कराएगा। पिछले दिनों ईईएसएल के अधिकारियों को बुलाया गया था। उनके साथ नगर निगम की समन्वय बैठक हुई। इसके लिए नगर निगम सदन ने भी आलोक विभाग को आदेशित किया है। पिछले दिनों जांच में पांच हजार से अधिक स्ट्रीट लाइटें बंद पाई गई थीं। इनमें वीडीए, पीडब्ल्यूडी, पंचायत, ग्राम्य विकास, विधायक निधि आदि मदों से स्ट्रीट लाइटें लगाई गई थी। इनमें से अधिकांश लाइटें जब बंद हुई तो लोगों ने नगर निगम में शिकायत की। नगर निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो उन्होंने अपने रिकॉर्ड से उस लाइट का मिलान किया। रिकॉर्ड न मिलने के बाद उन्होंने बंद स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत नहीं कराई। बाद में इसे लेकर काफी हो हल्ला मचा। फिर तय हुआ कि नगर निगम सीमा में लगने वाले स्ट्रीट लाइट की देखभाल की जिम्मेदारी नगर निगम उठाएगा। इसके लिए सभी

विभागों से सामंजस्य बनाने के लिए मेयर अशोक कुमार तिवारी ने आलोक विभाग को निर्देशित किया था। अधिशासी अभियंता एके सक्सेना ने बताया कि खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। जल्द ही सभी स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त हो जाएंगी।

स्कूल की प्रिंसिपल ने लिया कथक प्रोफेसर का इंटरव्यू, हाईकोर्ट ने रिजल्ट पर लगाया स्टे

वाराणसी। बीएचयू में शिक्षकों के प्रमोशन के मामले में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। मंच एवं संगीत कला संकाय में एक कथक शिक्षिका के प्रमोशन का इंटरव्यू लेने के लिए भरतनाट्यम की एक्सपर्ट पहुंची थी। दूसरी बड़ी बात ये भी है कि प्रोफेसर पद के लिए इंटरव्यू लेने वाले पूरे पैनल में कोई खुद भी प्रोफेसर नहीं था। एक सदस्य प्राइवेट हाईस्कूल की प्रिंसिपल, दूसरी डिग्री कॉलेज की प्रिंसिपल और तीसरी संयुक्त रूप से पद्मश्री प्राप्त कलाकार। ये ही एकमात्र कथक की नर्तिका हैं, वहीं बाकी दोनों भरत नाट्यम से जुड़ी हैं। ये मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट भी पहुंचा। वहां से कोर्ट द्वारा इस इंटरव्यू के रिजल्ट पर स्टे लगा दिया गया। हाई कोर्ट ने कहा कि विभाग के प्रमोशन का लिफाफा न खोला जाए। क्योंकि, एक्सपर्ट योग्य नहीं हैं। कॅरिअर एडवांसमेंट स्कीम के तहत इस प्रमोशन के लिए इंटरव्यू इसी साल चार जनवरी को हुआ था। 29 मार्च को इस पर स्टे लगा। प्रमोशन का नियम कहता है कि एसोसिएट प्रोफेसर को प्रोफेसर पद पर प्रमोट करने वाले

इंटरव्यू पैनल में प्रोफेसर का होना जरूरी है। बीएचयू के इसी संकाय में ऐसा ही दूसरा मामला भी सामने आया है, हालांकि ये मामला कोर्ट तक नहीं पहुंचा है। इसमें सितार वादक के प्रमोशन के इंटरव्यू के लिए बांसुरी वादक, वायलिन और तबला वादक पहुंचे थे। यही नहीं, इंटरव्यू बोर्ड के तीनों सदस्यों ने सितार वादक को प्रमोशन के लिए उपयुक्त नहीं पाया। उन्हें रिजेक्ट कर दिया। बीएचयू की सितार वादक असिस्टेंट प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर तो नहीं बन सकीं, लेकिन कैंपस में चर्चा चहुंओर है कि तबला, वायलिन और बांसुरी बजाने वालों ने सितार वादक का इंटरव्यू कैसे लिया। वहीं पूरे मामले में बीएचयू के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राजेश सिंह ने पूरे मामले में अनभिज्ञता जताते हुए कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया।

ट्रेनों के संचालन में न हो लापरवाही:जीएम

पीडीडीयू नगर। स्पेशल ट्रेन से बृहस्पतिवार को पीडीडीयू जंक्शन पहुंचे महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने ई–रिक्शा में बैठकर रेलवे यार्ड का जायजा लिया। उन्होंने डाउन रिसीविंग यार्ड में मालगाड़ियों के रखरखाव और मरम्मत कार्य की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने चेताया कि ट्रेनों के परिचालन में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। महाप्रबंधक ने स्पेशल ट्रेन से पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन से जिवनाथपुर स्टेशन तक विंडो ट्रेलिंग की। वहीं, पीडीडीयू जंक्शन यार्ड और पीडीडीयू–सकलडीहा रेल खंड में ट्रैक सिस्टम का निरीक्षण किया। बाद में उन्होंने डीआरएम ऑफिस में बैठक कर यात्री सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने ट्रेनों को समय से चलाने और सुरक्षा नियमों का पालन करने का निर्देश दिया। इसके बाद पूर्व मध्य रेलवे इंटर कॉलेज में चल रहे स्काउट गाइड के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान डीआरएम राजेश गुप्ता भी मौजूद रहे।

वार्डों में नहीं पहुंच रहे हैं रेजिडेंट, इलाज का संकट गहराया

वाराणसी। बीएचयू अस्पताल में रेजिडेंट की हड़ताल से मरीजों की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। ओपीडी के साथ–साथ वार्ड में भर्ती मरीजों को अब दिक्कत हो रही है। सामान्य दिनों में कंसल्टेंट के राउंड के बाद रेजिडेंट मरीजों के इलाज में लगे रहते हैं, लेकिन वो भी नजर नहीं आए। बृहस्पतिवार को अस्पताल के वार्डों में रेजिडेंट की संख्या न के बराबर रही। सीसीआई लैब में जांच काउंटर पर भी संख्या कम दिखी।

हड़ताल के तीसरे दिन भी काउंटर पर दोपहर 12 बजे सन्नाटा दिखा। सीसीआई लैब में भी बहुत कम मरीज 1 बजे तक दिखे। ओपीडी में केवल कंसल्टेंट के बैठने से मरीजों की भीड़ बाहर लगी रही। वहीं, वार्ड में भर्ती मरीजों के परिजन रेजिडेंट के आने का इंतजार रहे। हड़ताल का असर ऑपरेशन पर भी दिख रहा है। सामान्य दिनों में 100 ऑपरेशन होते थे। हड़ताल के तीसरे दिन केवल 47 ऑपरेशन हुए।

आईएमएस निदेशक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी से न्यास और डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर हड़ताल हो रही है। आईएमएस बीएचयू के रेजिडेंट्स ने अब स्थानीय स्तर पर ड्यूटी के दौरान सुरक्षा की मांग आईएमएस प्रशासन के सामने रखी है। बृहस्पतिवार को निदेशक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया गया। रेजिडेंट ने बताया कि अब तक कई बार गुहार लगाई गई है, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई है। अगस्त में हड़ताल के बाद सितंबर में एक महिला डॉक्टर के साथ दुर्व्यवहार हुआ। तब भी कार्रवाई का आश्वासन मिला था, लेकिन हुआ कुछ नहीं। जब तक मांग पूरी नहीं होगी तब तक हड़ताल चलेगी।

जिला अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट बंद, सिलिंडर के सहारे इलाज

वाराणसी। दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में लगा ऑक्सीजन प्लांट खराब हो गया है। इस वजह से वार्डों में भर्ती मरीजों को जंबो सिलिंडर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के माध्यम से किसी तरह ऑक्सीजन दिया जा रहा है। अस्पताल में लगे प्लांट से ही 50 बेड वाले एमसीएच विंग में गर्भवती महिलाओं के भर्ती होने के दौरान उनको ऑक्सीजन मिलता है।

अस्पताल में भर्ती मरीजों को जरूरत पड़ने पर उनके बेड पर तुरंत ऑक्सीजन मिल सके, इसके लिए यहां दो प्लांट लगवाए गए हैं। यह 600 एलपीएम और दूसरा 510 एलपीएम की क्षमता वाला है। पिछले करीब एक सप्ताह से यहां 510 एलपीएम वाला ऑक्सीजन प्लांट खराब हो गया है। ऐसे में जिन वार्डों में इससे ऑक्सीजन की आपूर्ति होती थी, वहां किसी तरह ऑक्सीजन कंसंट्रेटर से काम चलाया जा रहा है। हर वार्ड में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर जरूर है, लेकिन जिस क्षमता से प्लांट चलने के दौरान ऑक्सीजन मिलती है, उतनी क्षमता से वैकल्पिक व्यवस्था में नहीं हो पाता।

अब तय मानक से दूर नहीं होंगे केंद्र, डबल लॉकर में रखे जाएंगे पेपर

वाराणसी। यूपी बोर्ड की परीक्षा में केंद्र दूर होने की समस्या अब नहीं रहेगी। जीओ लोकेशन के निर्धारण की जिम्मेदारी जिलाधिकारी की तरफ से गठित तहसील स्तरीय समिति को सौंपी गई है। इससे तय दूरी के अनुसार ही केंद्र बनेंगे। इस बार पाली वार डबल लॉकर में पेपर रखे जाएंगे। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने केंद्रों के निर्धारण के लिए एपीआई एप पर जीओ लोकेशन अपलोड करने और भौतिक सत्यापन का काम शुरू कर दिया है। परिषद के क्षेत्रीय सचिव विनोद राय ने बताया कि समिति विद्यालय जाकर हर केंद्र का जीओ लोकेशन लेगी। ताकि तय दूरी में ही केंद्र बन सके। पेपर रखने के लिए डबल लॉकर की आलमारी दो की जगह तीन रहेगी। ताकि किसी तरह की कोई गड़बड़ी न हो।

दूधिया रोशनी से जगमग होंगी पीडीडीयू नगर की गलियां और सड़कें

पीडीडीयू नगर। नगर की अंधेरी गलियां और सड़कें अब दूधिया रोशनी से जगमग होंगी। नगर पालिका प्रशासन 70 लाख रुपये की लागत से 925 स्ट्रीट लाइटें और हाईमास्ट लगवाएगा। चेयरमैन का दावा है कि नवंबर के प्रथम सप्ताह में यह काम पूरा करा लिया जाएगा। पीडीडीयू नगर में डेढ़ साल से स्ट्रीट लाइटें और हाईमास्ट खराब होने की वजह से शाम होते ही गलियों और सड़कों पर अंधेरा छा जाता है। इससे रात में आवागमन में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को देखते हुए नगर पालिका ने नई स्ट्रीट लाइटें और हाईमास्ट लगवाने का फैसला किया है। करीब 70 लाख रुपये से 60 वाट की 850 स्ट्रीट लाइटें और 150 वाट की 75 हाईमास्ट लगाए जाएंगे। इससे नगर की सड़कें और गलियां दूधिया रोशनी से जगमग होंगी।

जलीलपुर में तनाव, छह थाने की पुलिस और दो प्लाटून पीएसी तैनात

पड़ाव। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के जलीलपुर गांव में बुधवार की रात जल निकासी के विवाद में पड़ोसियों में मारपीट हो गई थी, जिसमें साहिद अहमद (45) की मौत हो गई थी। गांव में तनाव को देखते हुए बृहस्पतिवार की दो प्लाटून पीएसी, छह थानों के 150 पुलिसकर्मियों के साथ पांच थानाध्यक्ष और सीओ तैनात रहे। वहीं, पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जलीलपुर गांव में रेलवे लाइन के पास स्थित बस्ती में लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। पानी ज्यादा गिराने पर आए दिन लोगों में विवाद होता है। बुधवार की शाम साहिद और राजन के घर की महिलाओं में इसी बात पर विवाद हुआ। इसके बाद रात 9 बजे दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी, जिसमें साहिद गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रामा सेंटर बीएचयू ले इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। साहिद के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने राजन, पंकज, अस्मित और विश्वजीत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चारों को गिरफ्तार कर लिया।

लाखों के गहने और कैश लेकर फरार, महिला से हुई थी हाथापाई सभी हैरान

वाराणसी। बलिया के कोटवा नारायणपुर के सरायकोटा में एनएच–31 से महज 50 मीटर दूर स्थित दरोगा के घर से बदमाश दस लाख से अधिक के जेवर ले गए। एक बदमाश ने हमला कर दरोगा की पत्नी, जो कि गांव की पूर्व प्रधान हैं, को भी घायल कर दिया। सरायकोटा गांव के धंगलकापुरा निवासी हरि सिंह यादव महाराजगंज में क्राइम ब्रांच में इंस्पेक्टर हैं। ये चार भाई हैं। भाई कन्हैया सिंह यादव घर पर रहते हैं। इनकी पत्नी चंदा यादव गाजीपुर जिले के जोगा में अध्यापक हैं। भाई बिहारी सिंह यादव बहराइच के कोतवाली देहात में एसआई हैं, सबसे छोटे भाई मुरारी सिंह यादव वाराणसी में सिपाही हैं। बुधवार की भोर में हरि सिंह यादव की मां दूजी मंदिर चली गईं। इसके बाद बिहारी सिंह की पत्नी होशिला देवी कमरे से बाहर निकलीं तो देखा कि हाफ पैंट पहने एक नकाबपोश गलियारे में खड़ा है। इस पर होशिला देवी ने उसे पकड़ लिया। तभी दूसरा नकाबपोश आ गया। उसने गर्दन पकड़कर होशिला को आंगन में पटक दिया। इससे वह बेहोश हो गईं। सुबह पांच बजे परिवार की चंदा देवी कमरे से बाहर निकलीं तो देखा कि होशिला बेसुध पड़ी हैं। मुरारी सिंह के कमरे का ताला टूटा है। अटैची से सोने–चांदी के जेवर गायब हैं। गहने मुरारी की पत्नी सीमा सिंह के थे, जो पति के साथ वाराणसी में रहती हैं। होशिला देवी का इलाज गाजीपुर में चल रहा है।

इसरो ने दी आकाशीय बिजली गिरने की रिपोर्ट

–रिपोर्ट शासन को भेजी, कहा– प्राकृतिक आपदा से हुई घटना

वाराणसी। रामनगर के बलुआ घाट में बारादरी की छत गिरने के मामले में जिला प्रशासन और यूपीपीसीएल की रिपोर्ट अलग अलग है। प्रशासन की रिपोर्ट में जहां अकुशल कारीगिरी और घटिया निर्माण सामग्री का जिक्र है, वहीं यूपीपीसीएल ने इसरो से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आकाशीय बिजली गिरने से छत ढहने का दावा किया है। अब किसकी रिपोर्ट सही और किसकी गलत है, यह शासन को तय करना है। यूपीपीसीएल ने शासन को जो रिपोर्ट भेजी है, उसमें दावा किया कि केंद्रीय मौसम विज्ञान विभाग से संपर्क कर आकाशीय बिजली और वर्षा की रिपोर्ट ली गई है। इसी तरह इसरो से जुड़े राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) बालानगर हैदराबाद से संपर्क किया गया। लाइटिंग डिटेक्टर सेंसर नेटवर्क की जो रिपोर्ट आई, उसमें 12 सितंबर को रामनगर स्थित शास्त्री घाट पर दोपहर 1.30 से 4 बजे के बीच आकाशीय बिजली गिरने के साक्ष्य मिले। इस स्थान के समीप 18000 एम्पेयर की शक्तिशाली आकाशीय बिजली जमीन पर गिरी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, आकाशीय बिजली गिरने से छत गिरी और एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में आता है।

टायर फटने के बाद भी भाग रहा था डंपर, 53 लाख का गांजा बरामद

चंदौली। चंदौली पुलिस और स्वाट टीम बृहस्पतिवार को नेशनल हाईवे पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक डंपर टायर फटा होने के बावजूद तेज गति से भागता दिखा। संदेह होने पर पुलिस ने पीछा कर उसे रोका। तलाशी लेने पर डाला के नीचे बनाए गए बक्से से 120 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 53 लाख रुपये है। वहीं, डंपर चालक समेत दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी उड़ीसा से गांजा लेकर वाराणसी जा रहे थे। एसपी आदित्य लांग्हे ने बताया कि चंदौली पुलिस वाजिदपुर मोड़ के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक डंपर टायर फटा होने के बावजूद तेज गति से जा रहा था। पुलिस ने पीछा करके उसे रोका।

गंगा नहाते नेपाली युवक की डूबकर मौत

वाराणसी (यूएनएस)। जनपद में गुरुवार को बाला जी घाट पर गंगा स्नान करने पहुंचे दो युवक तेज बहाव में डूब गए। आसपास जुटे लोगों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया लेकिन असफल रहे। हादसा दोपहर में तब हुआ जब घाट पर भीड़ कम थी और कोई गोताखोर नहीं था। सूचना पाकर आनन फानन में जल पुलिस के सिपाही मौके पर पहुंचे और तलाश शुरू की। एक घंटे बाद एक युवक का शव गंगा में कुछ दूरी पर बरामद किया गया। वहीं दूसरा साथी अब तक लापता है, गोताखोर उसकी तलाश में जुटे हैं। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और मोर्चरी में रखवा दिया है। दूसरे युवक के लिए पड़ोसी जनपद के लिए भी सूचना दी गई है। परिजन भी मौके पर पहुंचे तो शव से लिपटकर रोते बिलखते रहे। बुधवार को नेपाल के दो युवक अभिमन्यु और टीका वाराणसी के बालाजी घाट पर नहाने के लिए गए थे। दोनों पहले गंगा के किनारे काफी देर बैठे रहे और अचानक पानी में उतर गए। पहले दोनों किनारे पर नहाते रहे, इसी दौरान अभिमन्यु अंदर की ओर बढ़ गया। पहले टीका ने इनकार किया लेकिन बाद में वह भी उसके साथ चला गया। दोनों गंगा में काफी गहराई में पहुंच गए तो तेज प्रवाह के बीच अचानक अभिमन्यु का नियंत्रण बिगड़ गया और वह बहने लगा। उसे बचाने के लिए टीका भी पीछे आया और प्रयास के दौरान वह भी डूबने लगा। घाट पर मौजूद कुछ लोग दोनों को डूबता देखकर बचाने का प्रयास किया लेकिन असफल रहे। जानकारी पाकर जल पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और गोताखोर को गंगा में उतारा। लगभग एक घंटे की तलाश के बाद अभिमन्यु का शव बरामद हो गया लेकिन उसके आसपास टीका नहीं था। पुलिस को अंदेशा है कि तेज प्रवाह में वह काफी आगे बह गया। सूचना पर उसके दोस्त और परिजन भी मौके पर पहुंच गए। अभी दूसरे युवक की तलाशज ारी है।

वकीलों ने महिला को लात-घूसों से पीटा,कचहरी में केस की तारीख लेने आई थी, वकील से कहासुनी हो गई

वाराणसी (यूएनएस)। वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में दो वकीलों ने अपने चौंबर के बाहर एक महिला वादकारी को पीट दिया। महिला अपने पति के खिलाफ चल रहे केस में तारीख लेने आई थी। उसको पीटने वाले अधिवक्ता उसके पति का केस लड़ रहे हैं और आमने–सामने आने पर दोनों में कहासुनी होने लगी थी। मारपीट के बाद पीड़ित कचहरी चौकी पहुंची और तहरीर देकर अधिवक्ताओं के खिलाफ कैंट थाने में केस दर्ज किया गया है। वहीं आरोपी अधिवक्ता अजय सिंह ने भी चौंबर पर आकर महिला की ओर से गाली देने और हमला करने की तहरीर दी है। पुलिस ने महिला की ओर से केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कचहरी में चंदौली के मड़ई बसनी निवासी निरमा देवी का केस वाराणसी जिला कोर्ट में चल रहा है। 16 अक्टूबर को महिला केस की तारीख पर कोर्ट आई थी और अपनी वकील के चौंबर पर जाकर बैठ गई। पास के चौंबर पर उसके पति के वकील थे, जिन्होंने उसे कॉल करके अपने चौंबर पर बुलाया। आरोपी अधिवक्ताओं के चौंबर के सामने पहुंचते ही वकीलों ने महिला से टिप्पणी कर दी, जिसका महिला निरमा देवी ने विरोध किया। आरोप है कि पहले अजय कुमार और फिर अनूप सिंह ने जानलेवा हमला करते हुए लात घूसों से जमकर पीटा। दोनों ने जान से मारने की धमकी दी। हालांकि, आसपास जुटे वकीलों ने मामला शांत कराया और दोनों को अलग–अलग किया। महिला की तहरीर के बाद पुलिस को वारदात का वीडियो मिला, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी वकील अजय कुमार और अनूप सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

जिला कोर्ट में बार काउंसिल ने तलाशे फर्जी वकील

वाराणसी (यूएनएस)। दीवानी कचहरी से कलेक्ट्रेट तक फर्जी अधिवक्ताओं की शिकायतों के बाद गुरुवार को सेंट्रल और बनारस बार की ओर से संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद पाठक की अध्यक्षता में सेंट्रल बार ने 18 और बनारस बार ने 15 सदस्यीय जांच समिति गठित की। कम चर्चित और फर्जी अधिवक्ताओं के रजिस्ट्रेशन और सीओपी की जांच दीवानी न्यायालय से कलेक्ट्रेट तक की। गुरुवार को कई जगह हडकंप की स्थिति रही। जांच के दौरान आज कुछ अधिवक्ता अपना बार कौंसिल रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र और सीओपी नहीं दिखा पाये उनको चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। जांच के दौरान कुछ फर्जी वकील बनकर घूमते लोग मौके से फरार हो गए। बार कौंसिल द्वारा जारी रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र और सीओपी न होने पर एफआईआर की चेतावनी दी। गुरुवार को वाराणसी दीवानी कचहरी से लगायत कलेक्ट्रेट में फर्जी अधिवक्ताओं की तलाश में अभियान की शुरुआत हुई। कचहरी और कलेक्ट्रेट में प्रवेश द्वार पर ही काला कोर्ट, सफेद शर्ट और बैंड लगाये हुए कथित अधिवक्ता दलालों के माध्यम से क्लाइंट पकड़ते हैं और पैसा लेकर रफूचक्कर हो जाते थे और तो और मुकदमें में आर्डरशीट पर अधिवक्ता बनकर हस्ताक्षर भी बना देते हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पाठक की अध्यक्षता में टीम ने जगह–जगह जांच की। कुछ नए युवाओं को बिना ड्रेस के बैंड देखकर टोका तो बिना कार्ड के नहीं आने की ताकीद दी। उन्होंने बताया कि ऐसी घटनाओं की शिकायत दी सेन्ट्रल बार एसोसिएशन और दी बनारस बार एसोसिएशन से अधिवक्ताओं ने कई बार की। सेंट्रल बार के महामंत्री सुरेंद्र नाथ पांडेय और बनारस बार के महामंत्री कमलेश सिंह यादव ने बताया जांच में अधिवक्ता गौतम कुमार झा, राजेन्द्र प्रसाद पाठक, कल्पना पटेल, सूर्यभान सिंह, मीरा यादव, जय श्री पाठक आदि अधिवक्ता शामिल रहे।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह का बड़ा एक्शन, थाना प्रभारी और चौकी इंचार्ज सहित 4 निलंबित

नोएडा (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के जारचा थाना क्षेत्र के छोलस गांव में 4 दिन पहले एक मंदिर में स्थापित मूर्ति खंडित होने के मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में 4 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। यह बड़ा एक्शन गौतमबुद्ध नगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस आयुक्त ने इस मामले में कड़ा रुख अख्तियार करते हुए जांच में लापरवाही बरतने के आरोप में बुधवार रात को जारचा के थाना प्रभारी निरीक्षक अमित खारी, सैथली के चौकी प्रभारी अमित यादव, दो बीट कांस्टेबल को निलंबित कर दिया और उनके खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि छोलस गांव के बाहर छोलस नंगला नैनसुख मार्ग पर स्थित शिव मंदिर में यह घटना हुई। सोमवार सुबह मंदिर के पुजारी बाबा कमल दास जब मंदिर पहुंचे तो उन्होंने मूर्ति खंडित पाई, जिसके बाद ग्रामीणों ने हंगामा किया। पुलिस के आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर खंडित मूर्ति को वहां से हटाकर उसकी जगह नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाई तथा स्थिति को नियंत्रण में किया। उन्होंने बताया कि मंदिर के पुजारी की शिकायत पर अज्ञात लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किए गए लेकिन अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

बीएचयू में रेजिडेंट डश्वक्टरों की हड़ताल जारी,सीएमओ को दिया 8 सूत्रीय मांग पत्र

वाराणसी (यूएनएस)। बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल के रेजीडेंट डॉक्टरों की हड़ताल लगातार तीसरे दिन भी जारी है। वे कोलकाता की महिला जूनियर डॉक्टर से दरिंदगी के आरोपितों के खिलाफ समुचित कार्रवाई की मांग करते हुए मंगलवार से हड़ताल पर हैं। उन्होंने आईएमएस, बीएचयू के निदेशक प्रो. एसएन संखवार की अपील ठुकराते हुए आज भी हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया है। इससे बीएचयू अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था चरमरा उठी है। धरना दे रहे डाक्टरों का कहना है कि हम सभी ने 8 सूत्री मांग पत्र को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर के के गुप्ता को दिया। जिसमें हमारी सबसे प्रमुख मांग है कि अगर अस्पताल में किसी भी डॉक्टर के साथ मारपीट होती है तो अस्पताल के मुख्य चिकित्सक अधिकारी इसकी जिम्मेदारी ले और अपनी तरफ से आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराए। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य मंत्रालय के द्वारा सभी सरकारी अस्पतालों को पत्र जा चुका है और सब अस्पतालों में लागू हो चुका है। पर सर सुंदरलाल अस्पताल के मुख्य चिकित्सक इसको अपने अस्पताल में लागू नहीं कर रहें।ध अस्पताल की सभी ओपीडी में मरीजों की संख्या कम हो गई है। अनेक मरीजों की सर्जरी की डेट टल गई, उन्हें लौटना पड़ा। अनेक मरीज पैथालॉजी जांच के लिए भटकते दिखे। वहीं, वार्डों में भर्ती मरीजों को भी दिक्कतें बढ़ गई हैं। सुबह ओपीडी में कुछ सीनियर डॉक्टर और प्रोफेसर परामर्श दे रहे। लेकिन सीनियर रेजीडेंट गायब थे। गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, पीडियाट्रिक, मेडिसिन सहित सभी विभागों में मरीजों की कतार दिखी। वहीं,बुधवार को सिर्फ 3958 मरीज परामर्श के लिए पहुंचे थे। जबकि मंगलवार को 4919 मरीज पहुंचे थे। बुधवार को 961 मरीज घट गए।

साड़ी के गोदाम में लगी भीषण आग,लाखों की साड़ियां जलकर राख

वाराणसी (यूएनएस)। वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र में शंकुल धारा पोखरे के पास साड़ी की गोदाम में आग लग गईध। आग लगने की वजह से आसपास के क्षेत्र में अफरा–तफरी का माहौल हो गया। मौके पर स्थानीय लोगों ने दुकान के शटर खोलने का कोशिश की, लेकिन आग इतनी तेज थी कि वह असफल रहे। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। टीम ने कड़ी में मशक्कत के बाद लगभग आधे घंटे बाद दुकान का शटर खोला। गोदाम मालिक कबीर ने बताया वह सुबह अपनी दुकान के लिए निकल रहे थे, तभी उन्हें सूचना मिली कि उनकी दुकान में आग लग गई है। इसके बाद वह तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि दुकान में लाखों की साड़ियां थीं। जो पूरी तरह से जल गई हैं। वहीं कुछ साड़ियां बची हैं जो बेचने लायक नहीं बची हैं।

बंशीपुर में आयोजित हुई क्रीड़ा प्रतियोगिता

कोरांव(प्रयागराज)कंपोजिट विद्यालय बंशीपुर में न्याय पंचायत स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित की गई ।प्रतियोगिता में दौड़, खो–खो, कबड्डी सहित विभिन्न खेलों में छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया ।प्रतियोगिता में झलमल, बंशीपुर, पियरी, कुर्मियान, नेवढ़िया पाल, महुली और अल्हवा के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया ।मुख्य अतिथि एमडीएम प्रभारी संतोष कुमार तिवारी ने प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की

कामना की ।खेल शिक्षक विद्या निवास मिश्र ने आये सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया ।इस दौरान राहुल गौतम, सौम्या त्रिपाठी, अन्नू मौर्य,महेंद्र प्रसाद, केशव प्रसाद सिंह, अवधेश सिंह, अखिलेश शुक्ल,रविन्द्र कुमार, बृजलाल, आलोक तिवारी, सर्वेश कुमार,रामबहादुर, कमलेश कुमार, राजेश कुमार, सूर्य प्रकाश पटेल, शैफुद्दीन सहित अन्य शिक्षकों की उपस्थिति रही।

सामूहिक दुष्कर्मियों से साठगांठ करने पर 4 सिपाही लाइन हाजिर

प्रयागराज । एसपी ने कोखराज थाने के 4 सिपाहियों को लाइन का रास्ता दिखाया है। उन सभी पर एक महिला से सामूहिक दुष्कर्मियों पर समझौता कराने का आरोप है। मामले की जांच सीओ चायल को सौंपी गई है। जालौन जिले की रहने वाली एक महिला अपने पति के साथ कोखराज इलाके में चाट का ठेला लगाकर गुजारा करती है ।20 सितंबर को उसने सैनी थाना क्षेत्र के एक गांव के 4 युवकों पर सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने मामले में जांच पूरी कर चारों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

जनपद में हैं 2626 मतेदय स्थल एवं 1674 मतदान केन्द्र

प्रयागराज। उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 लखनऊ एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद के समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों यथा 244–रामपुरखास, 245–बाबागंज (अ0जा0),246–कुण्डा, 247–विश्वनाथगंज,248– प्रतापगढ़, 249–पट्टी एवं 250– रानीगंज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया गया है। उन्होने सम्भाजन के उपरान्त जनपद में अवस्थित मतदेय स्थलों एवं मतदान केन्द्रों के सम्बन्ध में बताया है कि विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र रामपुरखास में 339 मतदेय स्थल व 214 मतदान केन्द्र,बाबागंज (अ0 जा0) में 346 मतेदय स्थल व 224 मतदान केन्द्र, कुण्डा में 373 मतदेय स्थल व 216 मतदान केन्द्र, विश्वनाथगंज में 438 मतदेय स्थल व 286 मतदान केन्द्र, प्रतापगढ़ में 379 मतदेय स्थल व 214 मतदान केन्द्र, पट्टी में 401 मतदेय स्थल व 295 मतदान केन्द्र तथा रानीगंज में 350 मतेदय स्थल व 225 मतदान केन्द्र हो गये है।

21 अक्तूबर,सी आर एस विशेष द्वारा गति परीक्षण के बाद प्रयाग राज रामबाग से प्रयाराज जं तक पूरी गति से दौड़ेंगी गाड़ियां

प्रयागराज। जनसंपर्क विभाग 19 अक्टूबर रेल प्रशासन द्वारा यात्री सुविधाओं के उन्नयन एवं परिचालन सुगमता हेतु मूलभूत ढाँचे में विस्तार के क्रम में (पूर्वोत्तर रेलवे)वाराणसी मंडल के प्रयागराज रामबाग–प्रयागराज जं (उत्तर मध्य रेलवे) लगभग 2.24 किमी रेल खण्ड के विद्युतीकृत लाइन के साथ दोहरी करण कार्य पूर्ण होने के उपरान्त रेल संरक्षा आयुक्त पूर्वोत्तर परिमंडल प्रणजीव सक्सेना 21 अक्टूबर को इस खण्ड का संरक्षा निरीक्षण करेगें। इस निरीक्षण के समय मुख्य प्रशासनिकअधिकारी निर्माण अभय कुमार गुप्ता ,मंडल रेल प्रबंधक (वाराणसी) विनीत कुमार श्रीवास्तव सहित मुख्यालय मंडल एवं रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेगे। उक्त संरक्षा निरीक्षण के पश्चात सीआर एस स्पेशल द्वारा प्रयागराज जं से प्रयागराज रामबाग रेल खण्ड पर पूरी गति से गति परीक्षण भी किया जाना है। प्रयागराज जं दृ प्रयागराज रामबाग रेल खण्ड में पड़ने वाले रेलवे ट्रैक के आस –पास की जनता से रेल प्रशासन अपील करता है की वे सी आर एस के निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल के दौरान इस रेल खण्ड एवं विद्युत ट्रैक्शन/पोलों से सुरक्षित दूरी बनाये रखें अपने बच्चों एवं पशुओं को रेल ट्रैक के नजदीक न जाने देवें,यह खतरनाक हो सकता है।

महाप्रबंधक ने किया टूंडला कानपुर खण्ड का निरीक्षण

प्रयागराज। महा प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे उपेन्द्र चंद्र जोशी ने प्रयागराज मण्डल के टूंडला – कानपुर खण्ड का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक द्वारा टूंडला – कानपुर खण्ड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। ज्ञात हो कि विंडो–ट्रेलिंग निरीक्षण भारतीय रेल में एक विशेष निरीक्षण है, जिसमें चलती ट्रेन से निरीक्षण कार की पिछली खिड़की से ट्रैक और उसके आसपास के प्रतिष्ठानों जैसे सिग्नल,ओएचई, प्लेटफॉर्म आदि का निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान, मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों की सफाई, यात्री सुविधाएं और समग्र स्थिति,विशेष रूप से प्वाइंट और क्रॉसिंग पर ट्रेन की सवारी की गुणवत्ता, ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स (टीजीआई) में सुधार, ओएचई स्थिति,समपार फाटकों की स्थिति, सिग्नल दृश्यता, सिग्नल बाक्स की स्थिति,जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर आदि महा प्रबंधक द्वारा देखे गए। इसी क्रम में महाप्रबंधक ने कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के रीडिवेलपमेंट कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस अवसर पर मुख्य इंजीनियर/निर्माण अजय कुमार सिंह ने महाप्रबंधक महोदय को चल रहे।

महाकुम्भ 2025 के दौरान रेलगाड़ियों का अस्थाई ठहराव

भारतीय रेल द्वारा श्रद्धालुओं/यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत महाकुंभ-2025 के दौरान विभिन्न रेलगाड़ियों का दिनांक 10.01.2025 से 28.02.2025 तक निम्नलिखित स्टेशनों पर 02 मिनट का अस्थाई ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	रेलगाड़ी का नाम	स्टेशन से	स्टेशन तक	स्टेशन से चलने का दिन	अस्थाई ठहराव के स्टेशन एवं समय	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12393	सम्पूर्ण क्रांति एक्स.	राजेन्द्र नगर	नई दिल्ली	प्रतिदिन	प्रयागराज-00:20-00:22	09.01.25 से 27.02.25
12394	सम्पूर्ण क्रांति एक्स.	नई दिल्ली	राजेन्द्र नगर	प्रतिदिन	प्रयागराज-00:38-00:40	09.01.25 से 27.02.25
12367	विक्रमशिला एक्स.	भागलपुर	आनंद वि.ट.	प्रतिदिन	प्रयागराज-22:48-22:50	10.01.25 से 28.02.25
12368	विक्रमशिला एक्स.	आनंद वि.ट.	भागलपुर	प्रतिदिन	प्रयागराज-20:43-20:45	10.01.25 से 28.02.25
11055	गोदान एक्स.	लोक.ति.ट.	गोरखपुर	सोम,बुध,शुक्र,रवि	नैनी-07:33-07:35	10.01.25 से 26.02.25
11056	गोदान एक्स.	गोरखपुर	लोक.ति.ट.	मंगल,बुध,शुक्र,रवि	नैनी-17:00-17:02	10.01.25 से 28.02.25
11059	छपरा एक्स.	लोक.ति.ट.	छपरा	मंगल,गुरु,शनि	नैनी-07:33-07:35	09.01.25 से 27.02.25
11060	छपरा एक्स.	छपरा	लोक.ति.ट.	सोम,गुरु,शनि	नैनी-17:00-17:02	09.01.25 से 27.02.25
18205	दुर्ग नौतनवाँ एक्स.	दुर्ग	नौतनवाँ	गुरू	नैनी-10:03-10:05	09.01.25 से 27.02.25
18206	नौतनवाँ दुर्ग एक्स.	नौतनवाँ	दुर्ग	शनि	नैनी-20:43-20:45	11.01.25 से 22.02.25
22103	अयोध्या कैंट एक्स.	लोक.ति.ट.	अयोध्या कैंट	सोम	नैनी-10:50-10:52	12.01.25 से 23.02.25
22104	लोकमान्य ति.एक्स.	अयोध्या कैंट	लोक.ति.ट.	मंगल	नैनी-05:43-05:45	14.01.25 से 25.02.25
12293	दुरंतो एक्स.	लोक.ति.ट.	प्रयागराज	सोम,शुक्र	नैनी-12:00-12:02	10.01.25 से 24.02.25
12294	दुरंतो एक्स.	प्रयागराज	लोक.ति.ट.	मंगल,शनि	नैनी-18:25-18:27	11.01.25 से 25.02.25
22683	यशवंतपुर लखनऊ एक्स.	यशवंतपुर	लखनऊ	सोम	नैनी-12:00-12:02	13.01.25 से 24.02.25
22684	लखनऊ यशवंतपुर एक्स.	लखनऊ	यशवंतपुर	गुरू	नैनी-01:08-01:10	09.01.25 से 27.02.25
11071	कामायनी एक्स.	लोक.ति.ट.	बलिया	प्रतिदिन	नैनी-15:18-15:20	09.01.25 से 27.02.25
11072	कामायनी एक्स.	बलिया	लोक.ति.ट.	प्रतिदिन	नैनी-19:48-19:50	10.01.25 से 28.02.25
15267	अंत्योदय एक्स.	रक्सौल	लोक.ति.ट.	शनि	नैनी-07:33-07:35	11.01.25 से 22.02.25
15268	अंत्योदय एक्स.	लोक.ति.ट.	रक्सौल	सोम	नैनी-15:43-15:45	13.01.25 से 24.02.25
11037	पुणे गोरखपुर एक्स.	पुणे	गोरखपुर	गुरू	नैनी-15:43-15:45	09.01.25 से 27.02.25
11038	गोरखपुर पुणे एक्स.	गोरखपुर	पुणे	शनि	नैनी-00:50-00:52	11.01.25 से 22.02.25
11033	पुणे दरभंगा एक्स.	पुणे	दरभंगा	बुध	नैनी-15:43-15:45	05.01.25 से 26.02.25
11034	दरभंगा एक्स.	दरभंगा	पुणे	शुक्र	नैनी-07:33-07:35	10.01.25 से 21.02.25
22967	अहमदाबाद प्रयागराज एक्स.	अहमदाबाद	प्रयागराज	गुरू	नैनी-16:08-16:10	09.01.25 से 27.02.25
22968	प्रयागराज अहमदाबाद एक्स.	प्रयागराज	अहमदाबाद	शुक्र	नैनी-19:08-19:10	10.01.25 से 28.02.25
15559	अंत्योदय एक्स.	दरभंगा	अहमदाबाद	बुध	नैनी-07:33-07:35	15.01.25 से 26.02.25
15560	अंत्योदय एक्स.	अहमदाबाद	दरभंगा	शुक्र	नैनी-19:50-19:52	10.01.25 से 21.02.25
12427	रीवा आनंद वि.एक्स.	रीवा	आनंद वि.ट.	प्रतिदिन	नैनी-20:40-20:42	10.01.25 से 28.02.25
12428	आनंद वि.रीवा एक्स.	आनंद वि.ट.	रीवा	प्रतिदिन	नैनी-06:33-06:35	09.01.25 से 27.02.25
22613	श्रद्धासेतु एक्स.	रामेश्वरम	अयोध्या कैंट	रवि	नैनी-21:38-21:40	12.01.25 से 23.02.25
22614	श्रद्धासेतु एक्स.	अयोध्या कैंट	रामेश्वरम	बुध	नैनी-05:43-05:45	15.01.25 से 26.02.25
12669	एमएएस-छपरा एक्स.	एमएएस	छपरा	सोम, शनि	नैनी-01:03-01:05	11.01.25 से 24.02.25
12670	छपरा-एमएएस एक्स.	छपरा	एमएएस	सोम, बुध	नैनी-04:48-04:50	13.01.25 से 26.02.25
12165	लोक.ति.ट.-गोरखपुर सु.एक्स.	लोक.ति.ट.	गोरखपुर	सोम,गुरु,शुक्र	नैनी-03:23-03:25	09.01.25 से 27.02.25
12166	गोरखपुर-लोक.ति.ट. सु.एक्स.	गोरखपुर	लोक.ति.ट.	मंगल,शुक्र,शनि	नैनी-23:48-23:50	10.01.25 से 28.02.25
22183	साकेत एक्स.	लोक.ति.ट.	अयोध्या कैंट	बुध,शनि	नैनी-03:23-03:25	11.01.25 से 26.02.25
22184	साकेत एक्स.	अयोध्या कैंट	लोक.ति.ट.	गुरु,रवि	नैनी-18:58-19:00	12.01.25 से 27.02.25
12539	यशवंतपुर लखनऊ एक्स.	यशवंतपुर	लखनऊ	बुध	नैनी-04:13-04:15	08.01.25 से 26.02.25
12540	लखनऊ यशवंतपुर एक्स.	लखनऊ	यशवंतपुर	शुक्र	नैनी-01:58-02:00	10.01.25 से 21.02.25
15181	मऊ-लोक.ति.ट. साप्त.एक्स.	मऊ	लोक.ति.ट.	शनि	नैनी-05:43-05:45	11.01.25 से 22.02.25
15182	लोक.ति.ट.-मऊ साप्त.एक्स.	लोक.ति.ट.	मऊ	सोम	नैनी-08:05-08:07	13.01.25 से 24.02.25

नोट : यदि नई समय सारणी दिनांक 01.01.2025 से लागू होती है, तो स्टेशनों पर अस्थायी ठहराव के लिए दिए गए समय में परिवर्तन हो सकता है।

ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 (01 नवम्बर 2024 से प्रभावी) 1800 4199 139

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1809/24(AS)

भाजपा के हर हथकंडे का जवाब देगी फूलपुर की जनता

प्रयागराज। प्रयागराज फूलपुर उपचुनाव में इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी मुजतबा सिद्दीकी के नाम की घोषणा के बाद चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने आज फूलपुर पहुंचे समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि भाजपा के हर चुनावी हथकंडे का जवाब फूलपुर की जनता देगी। यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने का है ।सपा प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी के घोषित प्रत्याशी मुजतबा सिद्दीकी को बधाई देते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी का हर एक कार्यकर्त्ता अपने को मा अखिलेश यादव का सिपाही समझ कर चुनाव में पूरी शिद्दत के साथ जुट जाये। सपा एमएल सी डॉ मानसिंह यादव, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, विधायक गीता शास्त्री,यमुनापार अध्यक्ष पप्पूलाल निषाद आदि ने

कहा कि यह चुनाव सरकार बनाने का तो नहीं है लेकिन जनता के उम्मीदों पर नकारा साबित हो चुकी भाजपा सरकार की चूल्हे हिलाने का अवसर है ।नेताओं ने पार्टी कार्य कर्ताओं, समर्थकों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि गत लोक सभा चुनाव में लगभग 18 हजार मतों से जीती हुई विधान सभा की जीत के अंतर को बढ़कर 50 हजार से अधिक करना होगा। प्रत्याशी मुजतबा सिद्दीकी ने बताया कि उनका नामांकन आगामी 23अक्टूबर को जिला कचहरी में होगा। समीक्षा बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, यमुनापार अध्यक्ष पप्पूलाल निषाद,एम एलसी डॉ मानसिंह यादव, विधायक श्रीमती गीता शास्त्री, मुजतबा सिद्दीकी, दीना नाथ यादव,राजू पासी दान बहादुर मधुर, शकील अहमद, भोला यादव, राम सुमेर पाल, राम अवध पाल, आसुतोष तिवारी,मुलायम यादव,डॉ राजेश यादव,राम प्रताप यादव, सुभाष यादव,बच्चा यादव,सुमित विश्वकर्मा,योगेश पाल,राज बहादुर यादव,अमर बहादुर पाल, डॉ प्रेम चंद्र कुशवाहा, कुलदीप यादव,सचिन श्रीवास्तव,मो शारिक,अनिल यादव सोंनौटी, राजकरण पाल, मनीराम पाल, राजेश पाल,धर्मेन्द्र पाल,रामदेव पाल,रामदीन, रामलखन,ननकू राम आदि नेतागण मौजूद रहे।

13 नवंबर तक करें स्वदेशी गौ – संवर्धन योजना के लिए करें आवेदन

प्रयागराज।। उप दुग्धशाला विकास अधिकारी अनुज कुमार यादव ने बताया है कि बाबा दुग्ध मिशन के अन्तर्गत प्रदेश के पशुपालकों द्वारा प्रदेश के बाहर से स्वदेशी नस्ल के गायों की क्रय को प्रोत्साहित करने हेतु मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ–संवर्धन योजना के क्रियान्वयन का दिशा निर्देश निर्गत किया गया है जिसके अन्तर्गत बाह्य प्रदेश से उन्नत नस्ल की स्वदेशी गाय गीर, साहीवाल, थारपारकर एवं हरियाणा प्रजाति के क्रय पर अनुदान है जिसमें क्रय की जाने वाली गाय प्रथम अथवा द्वितीय ब्यात की होनी चाहिये जिसके द्वारा गायों की इकाई की स्थापना लागत 40 प्रतिशत अधिकतम रूपये 80 हजार तक अनुदान अनुमन्य है, जनपद प्रतापगढ़ हेतु कुल 24 गायों के क्रय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें 12 महिला एवं 12 पुरूष का चयन किया जाना है। उन्होने जनपद के समस्त नागरिक/कृषक बन्धुओं को सूचित किया है कि मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ–संवर्धन योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु 13 नवम्बर 2024 तक उप दुग्धशाला विकास अधिकारी कार्यालय विकास भवन प्रतापगढ़ में सम्पर्क कर आवेदन कर सकते है।

उज्जवला योजना के लाभार्थियों को दिया जाएगा दो नि:शुल्क एलपीजी रिफिल सिलेण्डर – अनुभव त्रिवेदी

प्रयागराज। जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी ने बताया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दो नि:शुल्क एल0पी0जी0 सिलेण्डर रिफिल प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 के प्रथम चरण में माह अक्टूबर 2024 से दिसम्बर 2024 तक तथा द्वितीय चरण में जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक लाभार्थियों को पूर्णतया नि:शुल्क सिलेण्डर रिफिल कर वितरण कराया जायेगा। लाभार्थी द्वारा सिलेण्डर रिफिल प्राप्त किये जाने के तीन से चार दिन के उपरान्त, योजनान्तर्गत दी जाने वाली सब्सिडी, आधार प्रमाणीकरण खाते में ऑयल कम्पनियों द्वारा अन्तरित की जायेगी। योजना का लाभ प्राप्त किये जाने हेतु लाभार्थियों का बैंक खाता उनके आधार से लिंक होना और आधार प्रमाणीकरण आवश्यक है। समस्त उज्ज्वला लाभार्थियों से यह अपील की जाती हैं कि यदि उनका आधार प्रमाणीकरण न हो पाया हो तो तत्काल आधार प्रमाणीकरण कराना सुनिश्चित करें। यदि कोई समस्या परिलक्षित हो रही हो तो सम्बन्धित एल0पी0जी0 वितरक से सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

उत्तर मध्य रेलवे

अधिसूचना

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल द्वारा पेंशन अदालत दिसम्बर-2024 का आयोजन

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के "मंडल सभागार" डी आर एम ऑफिस प्रयागराज में दिनांक 16.12.2024 को 11:30 बजे पेंशन अदालत दिसम्बर-2024 आयोजित की जाएगी। केवल उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल से सेवानिवृत्त कर्मचारी/मृतक कर्मचारियों के आश्रित, यदि उन्हें सेवानिवृत्त देय या पेंशन से सम्बंधित कोई शिकायत है तो वे अपना आवेदन मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय को निम्नलिखित माध्यमो से दिनांक 01.11.2024 तक भेज सकते है-

1. **व्हाट्सएप के माध्यम से** - अपने आवेदन पत्र व अन्य प्रपत्रों को स्कैन कर (जो स्पष्ट व पठनीय हो) मोबाइल नंबर 9794837667 (श्री हेमंत तिवारी, मुख्य कर्मचारी हित निरीक्षक) पर भेजे। कृपया आवेदन पत्र में "पेंशन अदालत दिसम्बर-2024" अवश्य अंकित करें।
2. **ई-मेल के माध्यम से** - अपने आवेदन पत्र व अन्य प्रपत्रों को स्कैन कर (जो स्पष्ट व पठनीय हो) ई-मेल आईडी vikasdrmoffice@gmail.com पर भेजे। कृपया आवेदन पत्र में "पेंशन अदालत दिसम्बर-2024" अवश्य अंकित करें।
3. **डाक के माध्यम से** - अपने आवेदन पत्र व अन्य प्रपत्रों को डाक द्वारा वरि. मंडल कार्मिक अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, नवाब युसूफ रोड, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश-211001 के पते पर भेजे। कृपया लिफाफे के ऊपर एवं आवेदन पत्र पर "पेंशन अदालत दिसम्बर-2024" अवश्य अंकित करें।

आवेदन-पत्र में निम्नलिखित विवरण अवश्य अंकित करें–

1. आवेदक/आवेदिका का नाम, 2. सेवानिवृत्त कर्मचारी का नाम, 3. पदनाम एवं अंतिम कार्यस्थल, 4. सेवानिवृत्त कर्मचारी से आवेदक/आवेदिका का संबंध, 5. पत्राचार का पता, 6. मोबाइल नंबर, 7. सेवानिवृत्त/मृत्यु की तिथि, 8. सेवानिवृत्ति का प्रकार (अधिवर्षिता/स्वैच्छिक/अनिवार्य/मृत्यु), 9. पीपीओ सं (छायाप्रति संलग्न करें), 10. अंतिम वेतन एवं वेतनमान, 11. शिकायत का विस्तृत विवरण

(के एल जायसवाल)
मंडल कार्मिक अधिकारी
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1806/24 (D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

नेहा सिंह ने यूजीसी नेट परीक्षा पास कर क्षेत्र का नाम किया रोशन

प्रयागराज। जनपद अंतर्गत मेजा क्षेत्र के बगहा गांव निवासी नेहा सिंह पुत्री स्व.सुधाकर सिंह ने भी यूजीसी नेट परीक्षा पास कर अपने गांव समेत क्षेत्र का नाम रोशन किया है। छात्रा नेहा सिंह के चाचा पत्रकार दिवाकर सिंह ने बताया कि छात्रा बचपन से ही पढ़ने में कुशाग्र बुद्धि की थी। वह बचपन से ही प्राथमिक शिक्षा से ही मेहनत एवं लगन से पढ़ाई में रूचि रखती रही हैं। मेहनत एवं पढ़ाई में रूचि रखते हुए नेहा सिंह ने यह सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि बिटिया मन लगाकर पढ़ाई करती थी। उसकी सफलता से परिवार में खुशी है। खास बात यह है कि छात्रा नेहा सिंह ने कभी भी किसी प्रकार की न तो कोचिंग और न तो किसी महंगे विद्यालय में ही शिक्षा ग्रहण की बल्कि व्यक्तिगत से लगन लगाकर ।

उजाड़े गये फुटपाथ दुकानदारो ने नगर निगम में किया प्रदर्शन

प्रयागराज। आजाद स्ट्रीट वेन्डर युनियन ने प्रदेश महामंत्री रवि शंकर दिवेदी पार्षद भोला तिवारी के साथ ट्रैफिक चौराहे के फुट पाथ ठेला व्यापारियो ने नगर निगम में किया जोरदार प्रदर्शन हाथों में प्रधानमंत्री का बोर्ड लिये हमे हमारा अधिकार चाहिए नहीं किसी से भीख के नारे लगाये। 18 अक्टूबर को बर्बता पूर्वक ट्रैफिक पुलिस नगर निगम अतिक्रमण टीम ने ट्रैफिक चौराहे के फुटपाथ दुकानदारो को प्रताड़ित व निष्काशित किया।

पथ विक्रेता (आजीविका संरक्षण सामाजिक सुरक्षा का अधिकार) केंद्रीय कानून 2014 / उ०प्र० 2017 रूल्स स्कीम मा० सुप्रीम कोर्ट मा० हाईकोर्ट एव प्रमुख सचिव के आदेशों का उल्लंघन कर पीएम स्वनिधी लाभार्थीयो के ठेले किसके आदेश निर्देश पर तोड़े गये । सहायक नगर आयुक्त अमरीश बिन्द ने ज्ञापन लिया सभी पीड़ित दुकानदारो को भरोसा दिया उक्त प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी निकाय कर्मियो के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। आजाद स्ट्रीट वेन्डर वेलफेयर युनियन का प्रतिनिधी मण्डल ट्रैफिक के एडिशनल डीसीपी कुलदीप सिंह से मिला टी आई अमित कुमार सहित 40 से 30 ट्रैफिक कर्मियो ने लाठी डंडो से मारा पीटा गाली गाली गलौज की की लिखित शिकायत की विडियो भी देखा उनहोने भी जांच करा कर दोषियो के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही का भरोसा दिया । सोमवार को पुलिस कमिश्नर व नगर आयुक्त से मिलेगा अगर पटरी दुकानदारो को न्याय नहीं मिला मुआवजा नहीं मिला तो मा० हाइकोर्ट जाने की तैयारी कर ली पीड़ित दुकान दारो ने इस दौरान सुनील जयसवाल अर्पित पटेल रंजीत दास अरविंद यादव कुसुम मिश्रा आशुतोष तिवारी राजकुमार मिश्रा सहित सैकड़ो पटरी दुकान दार मौजूद रहे।

720 में से 307 हस्ताक्षर पाए गए अवैध,कानूनी कार्यवाही तय – डा.सुशील सिन्हा

प्रयागराज। एशिया के सबसे बड़े ट्रस्ट कायस्थ पाठशाला में इन दिनों अध्यक्ष सुशील सिन्हा और पूर्व अध्यक्ष टी.पी सिंह टीम के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। 720 सदस्यों ने अध्यक्ष सुशील सिन्हा टीम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया है जबकि आज प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सुशील सिन्हा ने बताया कि 720 सदस्यों में से 307 सदस्य का हस्ताक्षर सही नहीं पाया गया है इसकारण इस पर्चे को ख़ारिज कर दिया गया है। अध्यक्ष कहना है कि आवश्यकता पड़ी तो उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही तक की जा

सकती है। जबकि ट्रस्ट में यह कानून है कि 500 सदस्य की अनुमति से अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया जा सकता है। आज सुशील सिन्हा की पुरी टीम ने यह बताया की ध100 की सदस्यता अभियान का पूर्व अध्यक्ष टी.पी सिंह और पूर्व सचिव कुमार नारायण विरोध कर रहे हैं जबकि 150 वर्ष के कायस्थ पाठशाला के इतिहास में केवल 33514 लोग ही सदस्य बनाएं गये है जबकी देश विदेश में कायस्थ समाज के असंख्य लोग है उनको भी समाज का सदस्य बनाकर समाज को मजबूत बनाया जा सकता है।

रवीन्द्र कुशवाहा को फिर चुना गया राज्य ललित कला अकादमी संस्कृत विभाग का सदस्य

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्व विद्यालय में चित्रकला विषय की मास्टर डिग्री (एम.ए.पेंटिंग) खुलवाने वाले तथा सरकारी स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली उत्तर –प्रदेश सरकार के यूपी बोर्ड के सर्व शिक्षा अभियान के तहत एनसीईआरटी पैटर्न पर कक्षा एक से लेकर कक्षा आठ तक की 40 किताबों का चित्रण करने वाले प्रयागराज के प्रसिद्ध चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा को राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश ने पुनः अपना सम्मानित मेम्बर चुना है। विगत वर्षों में कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने प्रयागराज में कला के प्रचार प्रसार हेतु राज्य ललित कला अकादमी की एक

क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी, दो–दो राष्ट्रीय चित्रकार शिविर, तीन– तीन ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला तथा उसमें बने चित्रों की शानदार कला–प्रदर्शनियां आयोजित कर प्रयागराज तथा देशभर के कलाकारों को प्रोत्साहित भी किया है। कला के उन्नयन हेतु बैचलर ऑफ़ फाइन आर्ट के लिए क्रिएटिव आर्ट भाग–1तथा मास्टर ऑफ फाइन आर्ट के लिए क्रिएटिवआर्ट (लक्ष्य)भाग–2 कला की पुस्तकें लिखीं जो विश्वविद्यालय स्तर के कला विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहीं हैं। वह वरिष्ठ कवि भी हैं उनकी कविता की पुस्तक रोटी साहित्य जगत की सेवा में प्रस्तुत है। कला जगत में रवीन्द्र कुशवाहा ने राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सैंकड़ों पुरस्कार प्राप्त करअंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है इसलिए सरकार ने रवीन्द्र कुशवाहा की कला संवर्धन पर विश्वास जताते हुए पुनः यह जिम्मेदारी सौंपी है। रवीन्द्र कुशवाहा को अकादमी का मेंबर बनाए जाने पर पूरे देश से बधाइयां देने वालों का तांता लगा हुआ है। पूरे देश के कलाकारों में खुशी का माहौल है रवीन्द्र कुशवाहा ने अपने ऊपर विश्वास जताने के लिए अकादमी और उत्तर प्रदेश सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062